



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

‘Ch’

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

ल० 33]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 5, 1985/माघ 16, 1906

No. 33]

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 5, 1985/MAGHA 16, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वार्षिक योग्य संशालन

आयात व्यापार नियवण

मार्ष्यज्ञनियम ०००८३ शुक्रवारी १९८५/प्र०१९५

नई दिल्ली ५ फरवरी १९८५

विषय — १९८२-८३ के द्वीपम १० मिलियन १९८३-८४ के द्वीपम २५ मिलियन १९८३-८१ से द्वीपम १५ मिलियन और १९९४-८५ के द्वीपम ६० मिलियन के पश्चिमी जर्मनी पूर्जीयात माल क्रेडिट के अन्तर्गत दिए गए आयातों के द्वारा लागू होने वाले सूचना के परिणाम में दी गई ग्रन्त एवं नियन्त्रण सूचनाएँ अधिकृति की जाती है।

मिसिल स. आई. प. सी/२३(११)/८४-८५ — पश्चिमी जर्मनी पूर्जीयात माल क्रेडिट के अन्तर्गत दिए गए आयातों के मायातन तथा इस वार्षिक सूचना के परिणाम में दी गई ग्रन्त एवं नियन्त्रण सूचनाएँ अधिकृति की जाती है।

प्रकाश चंद जैन, मुख्य नियन्त्रक आयात नियायित

परिणियट

१९८२-८३ के द्वीपम १० मिलियन १९८३-८४ के द्वीपम २५ मिलियन १९८३-८४ के द्वीपम १५ मिलियन १९८३-८४ के द्वीपम १५ मिलियन और १९८१-८२ के द्वीपम

डी.एम. ६० मिलियन के पश्चिमी जर्मनी पूर्जीयात माल क्रेडिट के अन्तर्गत दिए गए आयात लाइसेंसों से लिए लागू होते।

१. (१) जिस माल में पूर्जीयात माल समिति द्वारा अनुमोदित अविटन वा मत्य २ मिलियन डी.एम के तुल्य रूपां से अधिक होता है [यीमा शुल्क अधिनियम १९६२ के खड़ १५ के अन्तर्गत गरजस्य (सीमा शुल्क) विभाग द्वारा अधिसूचित भूमा विनियम की दर पर नियिकत करके तुल्य रूपां] उसमें आवर्तन के लिए प. जर्मनी के प्राधिकारियों [विभिन्न टान्ट पर क्रीडोफकाऊ (कांफडर्ल्य)] की पूर्वी महाभात आवश्यक है और यह महाभात आवश्यक आयात द्वारा अनुबंध १ के प्रपञ्च में दिए गए परिवार्जनों आवधो के आवार पर अधिक कार्य विभाग द्वारा प्राप्त हो जाएगो। जब तक पश्चिमी जर्मनी के प्राधिकारियों में महाभात आवश्यक विभाग द्वारा लाइसेंस प्राधिकारिया (मुख्य नियन्त्रक आयात-नियायित) को नहीं भेज दी जाती है तब तक भारतीय आयातको शोई भी आयात लाइसेंस जारी नहीं दिया जा सकता है।

१. (२) लाइसेंस पर १९८३-८४ के द्वीपम २५ मिलियन डी.एम पश्चिमी जर्मनी पूर्जीयात माल क्रेडिट अधिलेख अद्वित दिए जाएगा। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लाइसेंस में “एम/जी.एन” होंगे। ये मुख्य नियन्त्रक आयात-नियायित के आयात लाइसेंस की अधेयित करने वाले पत्र में भी दुरुस्त जाएंगे।

1 (3) बैंक खर्चों जो गांधीन्य वैक प्रणाली के साध्यम से प्रेषित किए जा सकते हैं के अनिवार्य आयात लाइसेन्स के प्रति विशेष मुद्रा वे किसी भूत वेषण की अनुमति नहीं दी जाएगी। आरतीव एंजेट का काफी अचूक, यदि कोई होता हो उसके भूतान्तर एंजेट को भारत से भागीय रूप से भेजने चाहिए ताकि वे भूतान्तर लाइसेन्स गत्य बढ़ा ही सकते होंगे और इसलिए लाइसेन्स पर ही प्राप्तिकारिता किया जाएगा।

1 (4) इस आयात लाइसेन्स के अधीन अधिकारित किए जाने वाले मान और सर्वित्त सेवाएं वर्तमान वैष्णव या अन्य किसी देश में अन्य गणराज्य सभ्य से आयात किए जा सकते हैं। इसलिए विदेशी सभरक गवाही को पूर्ण करने के लिए यदि आवश्यक समझे तो तीसरे देश से सामान आदि अधिकारित करने के लिए स्वतन्त्र हैं।

1 (5) इस न्यूनतम और अधिकतम राशि त्रिकों लिए इच्छित रूप से अप्राप्त अन्यान्य लाइसेन्स जारी किया जा सकता है वह रुपये 30,000 रुपये तक 5,000,000 रुपये तक रुपये के रूप से बराबर है लेकिन विशेष समझों में, अधिकारित कार्य विभाग त्रिकों सभरक द्वारा अधिकृत सामान से 7,000,000 रुपये तक तीन दो जो सकती है (गांधीन्य) सामान शुल्क विभाग द्वारा अनियूनित मुद्रा वित्तिमय को द्वारा प्रयोग कर तुम्हारा भूतान्तर आयात नियर्णता द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना में 78-आई दो सी (पा.एन)/74 दिनांक 6 जून, 1971 के अनुसार आयात लाइसेन्स में निर्दिष्ट होना चाहिए।

1 (6) ऐसिन आयात लाइसेन्स नायात-सीमा भारत के अधिकार पर 24 महीने या नींवे पैरा 2(12) में यथा निर्दिष्ट प्रतिनियत की अन्तिम तिथि इसमें जो भी अम हो उन तक को प्राप्तिकारिता वैधता अवधि का नाम द्वारा जर्नल वर्तमान जारी किया जाएगा कि आयात लाइसेन्स की न्यूनतम वैधता जर्नल होने की अन्तिम तिथि में 12 महीने होती है।

1 (7) पक्के आदेश जिनका अब है भारतीय लाइसेन्स द्वारा विदेशी सभरक को का आदेश और विदेशी सभरक दातों के द्वारा विशेष इमाक्षरित कर सकिया (आयात लाइसेन्स के तीरी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर ही अवश्य निर्णीत हो जाने चाहिए) देखिए नींव का पैरा 1(9)। सम्रद पार सभरकों के भारतीय अधिकारियों को आदेश और/या ऐसे भारतीय अधिकारियों द्वारा पुष्ट आदेश स्वीकार्य नहीं है।

1 (8) यदि उपर्युक्त पैरा 1(7) में यथा उल्लिखित पक्के आदेश द्वारा महीनों की मध्य सीमा के भीतर निर्णीत नहीं किया जा सकते हैं तो सो लाइसेन्सधारी का आदेश देने की अवधि में वृद्धि मान जाने हुए एक प्रस्ताव मूल्य नियक, आयात-नियर्णता (सी भी आई ०४७६) को या अन्य लाइसेन्स प्राप्तिकारी का जैसा भी मामला हो, इस बात वा औचित्य और स्पष्टीकरण देने हुए प्रभुत करना चाहिए कि पार्टिकिल वैधता अवधि के भीतर आदेश क्षेत्रों नहीं रिंग जा सके। आदेश देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आदेशों पर लाइसेन्स प्राप्तिकारी के द्वारा गुणवाग्रह के अधिकार पर विचार किया जाएगा जो अविकृत अवधि के महीनों को और अवधि तक यूथ प्रदान कर सकता है। ऐसिन, यदि वृद्धि आयात लाइसेन्स के जारी होने का नियम से 8 महीनों से अधिक सालों जाने हैं तो ऐसे प्रस्ताव लाइसेन्स प्राप्तिकारियों द्वारा निश्चयान्तक स्वप्न से अधिक शब्दों विभाग (ई ई सी-1 अनुसार) विभ भारतम, नार्व अनाक, नई दिल्ली का भेजे जाएंगे जो ऐसी वृद्धि के प्रत्येक मामले का गुणवत्ता के अधार पर विचार करेंगे और उन्हें निर्णय को लाइसेन्सधारी को सूचना के लिए देंगे। हेवन लाइसेन्स प्राप्तिकारी वृद्धि या भूमी प्रशान्त करने वाले केवल ऐसे पक्के लाइसेन्सधारी होंगे पर ही विदेशी मुद्रा की प्राप्तिकार व्यापारी और विभागीय प्राप्तिकारी बैंक गारटी माल पक्के स्वापित करने के लिए प्राप्तिकार पर, मूल्य रूपये ज्ञाम करने की स्व कृति अदि की सुविधा की अनुमति देंगे।

1 (9) लाइसेन्सधारी को अपने हित के लिए यह मुनिश्चित कझा होगा कि पक्के आदेश की निर्धारित गवाही के भीतर पक्के आदेश का अन्तिम स्वप्न ५ दिवा जाना है। जिन मामलों में इस बात का सुनिश्चय नहीं किया जा सकता, उनमें लाइसेन्सधारी को स्वप्न आदेश देने की अवधि में डीए वृद्धि के लिए लाइसेन्स प्राप्तिकारियों से सर्वेक बर्ना आहिए। विदेशी मुद्रा वित्तिमय के प्राप्तिकृत व्यापारी/गम्बद्ध विभागीय प्राप्तिकारी इस बात का सुनिश्चय करने के लिए आवश्यक आव वर्गे कि लाइसेन्सधारी १ महीनों के भीतर आदेश देने की शर्ती बाधालन करता है।

1 (10) जिन मामलों में लाइसेन्स की प्राप्तिकृत वैभवता प्रबंधित के दौरान लाइसेन्स के पूर्ण मूल्य के लिए आदेश नहीं किया गया है उनमें लाइसेन्सधारों के लिए यह आवश्यक होता है कि वह लाइसेन्स के आदेश न दिए गए पैरे शेष मूल्य के लिए प्राप्तेश इन से पहले उपर्युक्त पैरा 1 (8) में यथा उल्लिखित तरीके से लाइसेन्स प्राप्तिकारियों की अनुमति प्राप्त करें।

खण्ड ३—यथा भविदाग निर्णय करते समय ध्यान में रखें जाने वाली विषेश घटने।

2 (1) सविदा वापत विशेष स्वप्न से उसी देश की मुद्रा में अभिव्यक्त होनी चाहिए त्रिकों विदेशी सभरक रहता है। सविदा कीमत निर्धारित और अन्तिम होना चाहिए और किसी भी वृद्धि के लिए यही उपर्युक्त का अनुचरित नहीं होता। यदि विदेशी सभरक के रिंगी भारतीय पैरेट दो कोई कमाशन चुनाया जाता है तो वह भारत में भारतीय रुपये में दूसरा तात्पर गद के स्वप्न में सविदा से अलग रूप से प्रश्नित किया जाना चाहिए आर ई २१ निर्णयी सभरक का विदेशी मुद्रा से देश कुरा धनराशि भारतीय एंजेट वा पैरे वर्षीय से अलग प्रदर्शित होना चाहिए। आयात लाइसेन्स के आनाग पर यथा मूल्य नहीं प्रय आदेश दिए जा सकते हैं, उम्मल्य वीं विदेशी मूल्य का विदेशी मुद्रा में गणना करने के लिए आयात लाइसेन्स का मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम 1962 के खण्ड-15 के अन्तर्गत राजन्य विभाग (सीमा शुल्क) द्वारा यथिमूल्यका की गई और मूल्य नियंत्रक, प्रायान-नियर्णता द्वारा जारी वीं गई सार्वजनिक सूचना में 78-आई दो सी (पा.एन)/74, दिनांक 6 जून 1971 के पैरा-2 में निर्दिष्ट मुद्रा वित्तिमय की दर पर परिकलित विदा जाना चाहिए।

2 (2) निजी क्षेत्र प्रायानकों के मामले में सभरक आदेश या तो लायात-सीमा-भारत या भागत और भारत आधार पर दिए जाने चाहिए सार्वजनिक क्षेत्र के आयातकों में मामलों में प्रादेश केवल लागत और भारत या आधार पर किए जाने चाहिए।

3 (3) यह स्वप्न स्वप्न से समझ लेना चाहिए कि आयात लाइसेन्स के अधीन क्रम सविदा विदेशी सभरकों गे तुलनात्मक बोलियों प्राप्त करने के बाद वर्तनी चाहिए। इस सम्बन्ध में यह नोट कर लेना चाहिए कि भारत या आयातक भारत सभरक का पृथग गत माल भवित्व द्वारा अन्मोहित अनुसार अपन प्राप्त के लिए भा देश से आयात करने के लिए स्वतन्त्र है।

3 (4) अर्थक सविदा के लिए न्यूनतम मूल्य --वर्षते कि एक आयात लाइसेन्स के अलंकरण क्रम सविदा का सम्म मूल्य 30,000 डॉ एम से कम (उन खर्च के मामलों में जो पूर्णतया जर्नल, गणतात्प सध में किए गए हैं। या 30,000 डॉ.एम के बगवर) उन मामलों में जहा जर्नल गणतात्प सध से भिन्न देशों से खरद पूर्णतया या अशत भिए गए हैं। जोना चाहिए तो आयातक के लिए यह स्व कृति है कि वह 30,000 डॉ.एम से कम या 30,000 डॉ.एम के बगवर अलग-अलग विभाग करे। किन्तु एक आयात लाइसेन्स के अधिन रूप से विदेशी मुद्रा की प्राप्तिकार व्यापारी और विभागीय प्राप्तिकारी को लाइसेन्सधारी को सूचना के लिए देंगे। हेवन लाइसेन्स प्राप्तिकारी वृद्धि या भूमी प्रशान्त करने वाले केवल ऐसे पक्के लाइसेन्सधारी होंगे पर ही विदेशी मुद्रा की प्राप्तिकृत व्यापारी और विभागीय प्राप्तिकारी बैंक गारटी माल पक्के स्वापित करने के लिए प्राप्तिकार पर, मूल्य रूपये ज्ञाम करने की स्वतन्त्र अधिकारी की सुविधा की अनुमति देंगे।

* 2. (5क) आयात लाइसेंस के अन्तर्गत कथ संविदाओं का भारत सरकार और कैंटिंग्स्टनलॉट फार डाक्ट्री फशाड़ (के एक डब्ल्यू) (परिचयी जर्मनी विभाग बैंक जिसके माध्यम से 25 मिलियन डॉ.एम का पूँजीपूर्त माल क्रेडिट उपयोग किया जाता है) द्वारा विशेष रूप से अनुमोदन किया जाना, आवश्यक है और इसीलिए कथ संविदा में इस संबंध में एक विशेष धारा समाविष्ट करनी चाहिए।

(ब) एक आयात लाइसेंस के प्रति की गई ऐसी संविदा जिनका मूल्य विभाग डॉ.एम. 2 मिलियन के बगावर रुपए या इसमें कम हो (राजस्व "सीमा शुल्क") विभाग द्वारा अधिसूचित मुद्रा (विनियम के दर पर समर्पित), के मामले में संविदाओं के अनुमोदन की सूचना विशेषतया आयातक को नहीं दी जाएगी। आयातक को सूचना देने हुए वित्त मंत्रालय अधिक कार्य विभाग द्वारा के एक डब्ल्यू के एक बार ही संविदा दस्तावेज भेज देते पर आयातक उसी रूप में आगे कार्रवाई कर सकता है जैसा कि के एक डब्ल्यू द्वारा संविदा अनुमोदित कर दी गई हो और यह वार्षिक तथा तर कर गकता है जब तक कि के एक डब्ल्यू कोई विपक्षी नहीं करता के एक डब्ल्यू कोई आवंति करेगा तो वह भी उसे या आयातक को मूल्यित कर दी जाएगी।

(ग) आयात लाइसेंस के प्रति की गई ऐसी संविदा जिनका मूल्य है। एम 2 मिलियन के बगावर रुपए की धनराशि से अधिक हो (राजस्व "सीमा शुल्क") विभाग द्वारा अधिसूचित मुद्रा विनियम की दर समर्पित), के मामले में जल्दी भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, अधिक कार्य विभाग द्वारा के एक डब्ल्यू से अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा और यह अनुमोदन विशेष रूप से भारतीय आयातक को भेजा जाएगा और जब तक यह ऐसा न हो तब तक संविदाएं अनियन्त्रित समझी जाती चाहिए। इस कार्य के लिए एक प्रमाण पत्र (तीन प्रतियों में) के साथ कथ गविन्दा की सीन प्रतियों इस संबंध में भारतीय आयातक द्वारा वित्त मंत्रालय, अधिक कार्य विभाग (ई ई सी-1 अनुभाग) कमरा नं. 69 नाम संबंधित को आवश्यक है कि विदेशी संभरकों से तुनतात्मक बोलिया प्राप्त करने के बाद ही आवेदा दिए गए हैं।

2. (6) जिस मामले में संविदा नाम-सीमा-भाड़ के आधार पर की गई है और विदेशी संभरक तदनुसार जहाजी बीमा प्राप्त करना है, उसमें विदेशी संभरक को स्वतन्त्र रूप से परिवर्तनीय मुद्रा में बीमा प्राप्त करने की व्यवस्था करती चाहिए और गवर्नर गवर्नर बीमा कम्पनी से इस संबंध में एक बचनपत्र प्राप्त करता चाहिए कि यदि कोई बीमा धनराशि का भुगतान करता पड़ा तो यह ही एम में सीधे के एक डब्ल्यू को किया जाएगा।

(इयूटो बन्डेस बैंक फ्रैंकफर्ट/मेन की नंखा नं. 50409100)।

2. (7) जिस मामले में संविदा नाम-सीमा-भाड़ के आधार पर की गई है उसमें जहाजी बीमा किसी भारतीय बीमा कम्पनी के साथ करना चाहिए और तदनुसार बीमा धनराशि रूप से अनुकानी चाहिए लेकिन आयातक का भारतीय बीमा कम्पनी से नियन्त्रित बचनपत्र प्राप्त करना चाहिए और उसकी संविदा दस्तावेजों के साथ आधिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय (ई ई सी-1 अनुभाग) को भेजती चाहिए। --

"हम किसी भी उम प्रतिस्थापन के लिए अनुमोदन प्राप्त करने के बाद भारतीय बीमा कम्पनी के साथ धनराशि रूप से धन प्रेषण करेंगे जिसकी आवश्यकता मान की जाने या डृष्ट-फृष्ट के लिए हो सकती है।"

2. (8) कूकिं संविदाएं उपर्युक्त पैग 2(2) के अनुसार या तो सामान बीमा-भाड़ के आधार पर या लागत और भाड़ के आधार गर करना आवश्यक है, इनमें आहे भारतीय जहाज भी कोई न उपयोग किया गए होंगे किंतु विदेशी मुद्रा में भाड़ क्वार्च अनुकान के लिए विदेशी संभरक को उत्तराधीय बनाना चाहिए। भाड़ क्वार्च किसी भी पर्सिस्टिंग से भारतीय रूपए में चुकाना चाहिए।

2. (9) आयात लाइसेंस के प्रति विदेशी संभरकों का भुगतान जीवे खण्ड-3 में यथा उल्लिखित विवेशी साथ्य-नपत्र के माध्यम से किए जाएंगे और इस रूपये के लिए आयात लाइसेंस के प्रति धन प्रेषण की किसी भी सुविधा वाली अनुमति नहीं दी जाएगी।

2. (10) आयात लाइसेंस के आधार पर खरीदे गए माल के परिवहन का जड़ा तक सबध है, इस विषय में कथ संविदा के अधीन मान के पोतलवान की व्यवस्था करने के लिए उत्तराधीय पार्टी ही बाहरी तो भुगते के लिए उत्तराधीन होती है। पोतलवान जिस देश में संभरक रहते हैं वहां से या तीसरे देश से किया जा सकता है।

2. (11) बर्लिन टैण्ड सहित जर्मनी गणराज संघ से खरीदे के मामले में जिन संविदाओं का मूल्य डॉ.एम. 1 मिलियन से अधिक है उनके लिए या अन्य देशों से खरीदे के मामले में जिन संविदाओं का डॉ.एम. तुम्हारे डॉ.एम. 1 मिलियन से अधिक है उनके लिए संभरित किए गए माल के निपातन के संबंध में विदेशी गंभीर द्वारा निष्पावन गारंटी को प्रस्तुत करने के लिए कथ संविदाओं में व्यवस्था हानी चाहिए। इसमें आवेदा मूल्य का 10 प्रतिशत भी होना चाहिए। प्राविकारण-नपत्र जारी करने का अनुरोध करने के लिए संविदा दस्तावेज प्रस्तुत करने पर अनुबंध 4 के प्रपत्र में निपातन गारंटी ही ही 1 अनुभाग का प्रस्तुत की जानी चाहिए। अन्य संविदाओं के मामले में अपर्याप्त उन संविदाओं के लिए जिनका मूल्य उपर्युक्त निष्पावन गोला से कम है, भारतीय आयातक इस प्रश्न का निपातन करने के लिए स्वतंत्र है कि उम विदेशी संभरक से निपातन गारंटी भी आवश्यकता है या नहीं। ऐसिन, गारंटी निपातन का प्राप्त भारतीय आयातक और विदेशी संभरक द्वारा परस्पर संभरति से तथ किया जा सकता है। लेकिन, भारतीय आयातक को यह सुनिष्पत्य कर लेना चाहिए कि निष्पावन गारंटी से उत्तराधीन यदि कोई भुगतान विदेशी संभरक से उसको देय हो तो उसका करार क्रेडिट कान्स्ट्राल्ट पर श्रीडो-फशाड़ (डगूटो बन्डेस बैंक फैक्टरी/मेन लेखा म 50409100 से संधि किया जाना चाहिए।

2. (12) आयात लाइसेंस के अधीन विदेशी संभरकों को भुगतान 30 जून 1986 का पूर्ण ही जाने चाहिए। इसीपर कथ आदेश/संविदाओं में पोतलवानों को पूर्ण करने और 30 जून 1986 तक भुगतान करने का निष्पत्य करने के लिए उचित उपलब्ध हाना चाहिए। यदि विदेशी मामले में यह आणा की जानी है कि भुगतान उन नियत तक पूर्ण नहीं किया जा सकते हैं तो पर्याप्त औपचार्य देते हुए आधिक कार्य विभाग (महायना लेखा एवं लेखा पर्सेका नियतक, यू.न. श्री बैंक विल्डिंग, पर्सिलयामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली) से समय द्वितीय पैग 2(4) में विदेशी संभरकों के लिए न्यूतातम मूल्य ध्यान में रखना चाहिए। ऐसे आदेशों पर भुगतान ध्यान के आधार पर विचार किया जाएगा।

2. (13) जिन आयात लाइसेंसों का मूल्य डॉ.एम. 2 मिलियन के बगावर रुपए से अधिक नहीं होता है, उनमें मामले में भारतीय आयातक द्वारा भल संविदा आधिक कार्य विभाग को एक ही बार में प्रस्तुत करना आवश्यक है। संविदाओं को त्रिंगो म प्रस्तुत करना स्वीकार नहीं किया जाएगा। इन संबंध में उपर्युक्त पैग 2(4) में विदेशी संभरकों के लिए न्यूतातम मूल्य ध्यान में रखना चाहिए।

खण्ड-3 विवरणी संभरकों को भुगतान—"विशेष" नामपत्र कियाविधि।

3. (1) आविकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन पत्र:—जिस आयात लाइसेंस का कुल मूल्य डॉ.एम. 2 मिलियन के बगावर रुपए से आधिक नहीं होता (राजस्व सीमा शुल्क विभाग द्वारा अधिसूचित मुद्रा परिविम की दर पर) उसके प्रति संभरका के साथ संविदा आदेश निर्णीत हो जाने के 15 दिनों की भीतर या जिस आयात लाइसेंस का मूल्य डॉ.एम. 2 मिलियन के बगावर रुपए से अधिक होता है (राजस्व "सीमा शुल्क" विभाग द्वारा अधिसूचित मुद्रा विनियम की दर पर) उसके प्रति की गई संविदाओं के लिए एक डब्ल्यू के अनुमोदन की भुगतान देते हुए भारत

संग्रह के पत्र देखिए उपर्युक्त पैरा 2(5)(ग) की विधि से 15 दिनों के भीतर इनमें से जो भी मामला हो, उसमें लाइसेंसधारी सम्बद्ध विदेशी सभरक क पत्र म पक्ष म एक प्राधिकारिताय मालवपत्र छालने पे लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए यिन मत्तालय, आर्थिक कार्य विभाग ई है सी-१ अनुमान नार्य ज्ञानक, तर्ह फ़िली को निम्नलिखित वस्तावैज्ञ प्रस्तुत करेगा :—

(क) जिन आयात लाइसेंस का मूल्य दी एम 2 मिलियन के मूल्य रुपए मे अधिक होता तबके लिए की गई संकेताओं के सम्बन्ध मे :—

(१) क्य आदेश की तीन प्रतिया, और विदेशी संभरकों द्वारा क्य आदेश के पुष्टिकरण की हीत प्रतिया जो अमण्ड़ आयातक एव सभरक द्वारा विद्युत दृस्तान्तरित हो या उनकी फोटो प्रतिया साक्षात्कृत प्रतिया या भारतीय अधिकारियों को दिए गए आदेश भीर ऐसे अधिकारियों द्वारा की गई पुष्टि रवांकार्य नहीं है।

या

क्य संविदा की तीन प्रतिया जो भारतीय आयातक और विदेशी संभरक द्वारा विद्युत दृस्तान्तरित हो या उनकी फोटो प्रतिया भारतीय अधिकारियों को दिए गए आदेश की साक्षात्कृत प्रतिया और ऐसे अधिकारियों द्वारा की गई पुष्टि अस्वीकार्य है।

(२) अनुबंध-२ मे निर्धारित प्रपत्र मे प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन पत्र (तीन प्रतियो)।

(३) विदेशी मुद्रा का व्यापार करने याने, प्राधिकृत एक भारतीय बैंक मे अनुबंध-३ के रूप मे निर्धारित प्रपत्र मे एक बैंक गारंटी (सार्वजनिक क्षेत्र के आयातों के मामले मे लागू नहीं)।

(४) लागत और भाड़ा संविदा के मामले मे भारतीय बीमा कंपनी के वचनपत्र की तीन प्रतियो देखिए उपर्युक्त पैरा 2(7)।

(५) इस संबंध मे तीन प्रतियों मे प्रमाण-पत्र की विदेशी संभरकों से तुलनात्मक बोलियां प्राप्त करने के बाद आदेश दिए गए हैं, देखिए उपर्युक्त पैरा 2(3)।

(६) इस संबंध मे एक प्रमाण-पत्र कि लाइसेंस के अधीन आये कोई भी संविदा नहीं की जाएगी, देखिए उपर्युक्त पैरा 2(13)।

(७) जिस आयात लाइसेंस का मूल्य दी एम 2 मिलियन के तुल्य रुपए मे अधिक होता है उसमे दी गई संकेताओं के सम्बन्ध मे.

पहले भेजे गए संविदा इस्तावेजों (जिनके संबंध मे के, एफ, डब्ल्यू.. वा अनुमोदन विभ मत्तालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा प्राप्त किया जाएगा) देखिए उपर्युक्त पैरा 2(5) (ग), अनिरिक्त निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत किए जाएंगे। —

(१) अनुबंध-२ मे निर्धारित प्रपत्र मे प्राधिकारपत्र जारी करने के लिए एक आवेदन पत्र (दो प्रतियो मे)।

(२) विदेशी मुद्रा का व्यापार करने के लिए प्राधिकृत एक भारतीय बैंक मे अनुबंध-३ मे निर्धारित प्रपत्र मे एक बैंक गारंटी (सार्वजनिक क्षेत्र के आयातों के मामले मे लागू नहीं) और

(३) लागत और भाड़ा संविदा के मामले मे भारतीय बीमा कंपनी ने वचनपत्र की तीन प्रतियो देखिए उपर्युक्त पैरा 2(7)।

३ (२) यह स्पष्ट किया जाता है कि सार्वजनिक क्षेत्र के आयातों के मामले मे किसी भी बैंक गारंटी की आवश्यकता नहीं है।

३. (३) साख-पत्र छोलना।

साख-पत्र इस प्रयोजन के लिए प्राधिकृत जम्मन मे मनेसील निम्नलिखित आठ बैंकों मे गे किसी एक बैंक मे प्राधिकार पत्र के थल पर छोला जा सकता है —

- (१) दि वेपरिये बैंकिंग बैंक, म्यूनिशन।
- (२) दि कामर्स बैंक, ए. जी. फैक्फर्ट।
- (३) वि ड्यूवर्स बैंक, ए. जी. हैम्पर्ग।
- (४) दि ड्रेस्डनर बैंक ए. जी. गाल्सर्गेनोग ७ ८, ६, फैक्फर्ट/मेन-१।
- (५) स्टेट आफ इडिया, फैक्फर्ट बैंक।
- (६) बर्लिनर निंगेर गोमन शेफ्ट, फैक्फर्ट बैंक।
- (७) ब्रियस एण्ड वेंट बैंक, हैम्पर्ग।
- (८) बैंक फार ऑमियन रिट्मकाप्ट (ब्री एफ जी)।
- (९) बर्लिनर बैंक, एक्टिवजेसेलचेप्ट, ए.जी. बर्लिन।

आयातक (सार्वजनिक क्षेत्र और नियों क्षेत्र दानो के) और उनके बैंकों को उपर्युक्त पैरा (३) मे उन्नियित नी बैंकों मे मे उनके द्वारा जुने गए जर्मनी के बैंक को विणेष रूप से निर्दिष्ट बरना चाहिए।

३. (४) (क) जिस आयात लाइसेंस का मूल्य दी एम 2 मिलियन के बराबर रुपया या इससे कम है उसके प्रति आदेशों के मामले मे पक्षे आदेश देने की विधि से या
- (ख) जिस आयात लाइसेंस का मूल्य दी एम 2 मिलियन के बराबर रुपया मे अधिक है उसके प्रति संविदा के मामले मे वित मत्तालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा संविदा के अनुमोदन के पत्र की विधि से क्षण इनमे जो भी मामला हो उसमे 15 दिनों के भीतर प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन करने मे अपकल रहते पर आयात नियक्षण विनियमों का उल्लंघन समझा जाए।

३. (५) बैंक गारंटी वह धनराशि जिसके लिए यह निष्पादित करनी चाहिए।

जहा कही आवश्यक हो, बैंक गारंटी जिस धनराशि के लिए विदेशी मुद्रा/मालवपत्र मोगा गया है उसक तुल्य रुपए के आनक धनराशि के लिए प्रामाणिक तथा वचनवद्वाला खच्चे और इसके असिरिक्त व्याज तथा अनुबंध-५ मे यथा त्रिलियन अन्य खच्चों के लिए इस धनराशि के एक प्रतिशत के लिए होनी चाहिए। पर्यन्त वी प्रविनत दर, सीमा शुल्क अधिनियम 1962 के एड-१५ के अन्तर्गत, राजस्व (सीमा शुल्क) विभाग द्वारा अधिसूचित मुद्रा विनियम की दर आयात लाइसेंस मे नियिष्ट दर होती। इस दर का तात्पर्य केवल आयातक द्वारा भेजी जाने वाली बैंक गारंटी का मूल्य निकालने के लिए है। लाइसेंस के अधीन किए गए आयातों की विदेशी मुद्रा लागत के प्रति गरकानी लेखे मे रुपया विनियोग करने के लिए तुल्य रुपया की गणना विदेशी संभरक को भुगतान की आवश्यकता करने समय अमंत बैंक द्वारा खच्चे की गई दी एम धनराशि के लिए मिश्रित दर पर करनी हाती अर्थात् या तो दी एम मे, यदि विदेशी संभरक परिचमी (बर्लिन लैण्ड सहित) मे रहता है या समय-समय पर यथा संशोधित सार्वजनिक सूचना स. 15-आई टी सी (पी एन)/72, दिनाक 28-1-72 मार्चजनिक सूचना स. 10-आई टी सी (पी एन)/72, दिनाक 21-7-72 और 8-आई टी सी (पी एन)/76, दिनाक 17-1-76 के अनुमान दिनाक किसी अन्य देश जिसमे विदेशी संभरक रहता है, की मुद्रा मे भुगतान को प्रभावी करने के लिए दी एम धनराशि मे आगे नोटिस जारी होने तक इस संबंध मे जब और जैसे ही कोई परिवर्तन आवश्यक होया अधिसूचित कर दिया जाएगा।

- ३ (६) प्राधिकारपत्र जारी करना।

यदि उपर्युक्त पैरा ३(१) मे नियिष्ट इस्तावेज मही पाए जाएगे तो परिचम जर्मनी मे नामित वाणिज्य बैंक मे आयातक का भारतीय बैंक

द्वारा बोले जाने वाले 'विशेष' साम्राज्यकरण के आधार पर विदेशी सभरकों को निर्धारित धनराशि तक भुगतान करने के लिए प्राधिकृत करते हुए वित्त मंत्रालय (लेखा तथा लेखा परीक्षा नियन्त्रक), आर्थिक कार्य विभाग, यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली, परिचमी जर्मनी में नामित वाणिज्यक को एक प्राधिकारपत्र (अनुबंध-4 के अनुसार) जारी करते। ऐसे प्राधिकार पत्र की एक प्रति भारतीय लाइसेंस धारी को भेजी जाएगी। मूल प्राधिकार पत्र की एक प्रति के माध्यम सभरकों के लिए प्राधिकृत यम्बद्ध भारतीय बैंक को उसके द्वारा खोल गए साम्राज्यकरण के गायत्री मूल प्राधिकार परिचम जर्मनी में नामित वाणिज्यक बैंक को भेजने के लिए आदेश देते हुए भेजा जाएगा (ऐसा नियन्त्रण अनुबंध-5 के अनुसार होगा) इसकी एक प्रति आयातक को भी भेजी जाएगी।

जब तक इस कठिका में गायत्री उन्निसित प्राधिकारपत्र भारतीय बैंक में सहायता लशा नथा लेखा परीक्षा नियन्त्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय में सीधे प्राप्त न कर लिया हो तब तक भारत के किसी भी बैंक को साम्राज्यकरण करने के लिए लाइसेंस धारी का सुविधान प्रदान नहीं करने चाहिए।

(7) परिचम जर्मनी में नामित वाणिज्यक बैंक में 'विशेष' साम्राज्यकरण पत्र जारी जाने की नियति से 30 दिनों के भीतर सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियन्त्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली का सूचना देने हुए खोला जाना चाहिए। अन्यथा पहले ही जारी किया गया प्राधिकार पत्र बैंध नहीं समझा जाएगा।

(8) अप्रिक्त दस्तावेज़ और विवरण पत्रों को एकत्र करने पर परिचम जर्मनी में नामित वाणिज्यक बैंक द्वारा विदेशी सभरकों को भुगतान किए जाएंगे। जिस मामले में विदेशी सभरक जर्मनी गणतंत्र सभ (बैलिन लैण्ड महिन) से अन्य देशों में रहता है उसमें भी समझौते की बातचीत और दस्तावेज़ का भुगतान परिचम जर्मनी में नामित वाणिज्यक बैंक द्वारा किए जाएंगे। परिचम जर्मनी में नामित वाणिज्य बैंक परिचमी जर्मनी आधिकारियों से डी.एम. धनराशि की अवायगी प्राप्त करते। जर्मनी गणतंत्र सभ में अन्य देशों द्वारा सभरण के मामले में परिचम जर्मनी में नामित वाणिज्य बैंक विदेशी सभरकों को जिस देश में वे रहते हैं, उसी देश की मुद्रा भी भुगतान करने के लिए अपने द्वारा खर्च की गई धनराशि की अवायगी डी.एम. जर्मनी के प्राधिकारियों से प्राप्त करते।

(9) जर्मनी गणतंत्र सभ में भुगतान के लिए और तीसरे देश में भुगतान की व्यवस्था करने के लिए भी जर्मनी के बैंक द्वारा किए गए आनुपरिक बैंक खर्चों जिस मामले में भी लागू होंगे वे भारत के सम्बद्ध बैंक द्वारा जर्मन बैंक को सामान्य बैंक प्रणाली में भारत सरकार के लेखे को प्रभावित किए बिना प्रेयित किए जाएंगे।

उपर्युक्त-1 सरकार के लेखे में अपना जमा करने के लिए उपायाग्रह

(1) बर्लिन नेतृ महिन परिचमी जर्मनी से भारत अन्य देशों से आयातों के दोनों मामलों में परिचम जर्मन के नामित वाणिज्यक बैंक द्वारा मूल नशन दस्तावेज़ भारत में सम्बद्ध बैंक को भेजने चाहिए। दस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर इन परकार्य सदस्यों के मंट को लाइसेंसधारी को केवल हाथ बात का सुनिश्चय करने के बाद देंगा कि परिचम जर्मन नामित वाणिज्य बैंक द्वारा जर्मनी के सभरकों को चुकाई गई डी.एम. धनराशि के बगबगर रूपया या जर्मनी के सम्बद्ध बैंक द्वारा नीसरे देश में सभरक को भुगतान करने की व्यवस्था करने में खर्च की गई डी.एम. धनराशि और इसका एक प्रतिशत आनुपरिक तो और बथन-सदता खर्च, के लिए और विदेशी सभरक वा भुगतान करने की तिथि में या के एक उन्नियू द्वारा पदनामित बैंक वा प्रतिगृहीत भी तिथि इनमें जो भी पहले हुई, से सरकार के लेखे में नाम्य गपया जमा करने की नियति तक (दोनों विन मिलाकर) की अवधि के लिए उत्तर्युक्त कुल धनराशि छाज खर्चों आयातक से प्राप्त कर लिए जाने हैं और सरकारी लेखे में जमा किए

गए हैं। सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी.एन.)/83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार द्व्याज खर्चों की गणना निम्नलिखित अनुमार की जाएगी, 1 सितम्बर, 1983 को या उसके बाद सरकारी लेखे में जमा करने की दर —

(1) जहा सभरक को भुगतान की नियति से 30 दिनों के भीतर 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से निक्षेप किए जाते हैं या के एक उन्नियू द्वारा नामित बैंक को प्रतिपूति की तिथि पहले हो, इनमें जो भी पहले हो।

(2) जहा सभरक का भुगतान की नियति से 30 दिनों के भीतर रुपया निक्षेप किया जाता है या के एक उन्नियू द्वारा नामित बैंक को प्रतिपूति की नियति इनमें जो भी पहले हो।

(क) पहले 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष

(ख) 30 दिनों से अधिक अवधि के लिए 18 प्रतिशत

विदेशी सभरकों का विदेशी मुद्रा के तुल्य रूपए में किए गए भुगतान की गणना के लिए द्वितीय जाने वाली विनियम दर मुख्य नियन्त्रक, आयात-नियर्यात की सार्वजनिक सूचना मेंक्ष्या 8 आई टी सी (पी.एन.)/76 दिनांक 17-1-76 में यथा निर्धारित मिसी जुनी दर हासी या समय-गमय पर मुख्य नियन्त्रक, आयात-नियर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या रिजर्व बैंक आफ इंडिया के मुद्रा विनियम नियन्त्रण परिपत्रों के माध्यम से मरकार द्वारा अधिसूचित की जाने वाली दर हो सकती है। भारतीय सम्बद्ध बैंक की यह जिम्मेदारी होगी कि आयातकों को मूल पातलदान दस्तावेजों के सोपने से पूर्ण यह सुनिश्चय कराए कि देश धनराशि टीक प्रकार से मरकारी लेखे में जमा करा शी गई है। लाइसेंसधारी को यह भी मुक्तिशब्द करना चाहिए कि उनके बैंकरों से दस्तवेजों को लेने से पूर्ण सरकारी लेखे में देश धनराशि टीक प्रकार से जमा करा शी गई है।

(2) उपर्युक्त 4 (1) में विचार किए गए निक्षेपों की धनराशि या तो रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी दिल्ली में नकद जमा की जा सकती है या यवि घट्ट सुविधाजनक न हो तो वह धनराशि अधिकार्ता स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली-7 के नाम डिमाण्ड ड्राफ्ट के माध्यम से सार्वजनिक सूचना सं. 74-आई टी सी (पी.एन.)/74 दिनांक 31 मई, 74 और सार्वजनिक सूचना मं. 132-आई टी सी (पी.एन.)/71 दिनांक 5 अक्टूबर, 71 द्वारा नथा अवाधित सार्वजनिक सूचना सं. 233-आई टी सी (पी.एन.)/68 दिनांक 24 अक्टूबर, 1968 के अनुसार अपेक्षित सरकारी लेखे में जमा करने के लिए लेखा शीर्षक 'के डिपोजिट्स एण्ड इडवाइल्ज बी' डिपोजिट्स नोट वियरिंग हॉटस्ट-8-43 मिलियल डिपोजिट्स डिपोजिट्स फार परचेजिज एवंसद्रा एओड डायरेक्ट पेमेन्ट ग्रोमीजर डिपोजिट्स फार कोस्ट आफ सप्लाई एण्ड इन्विपेट आवांड अडर दि बैस्ट जर्मन कैपिटल गुड्स कैरिड 15 फार 1983-84 (डी.एन. 25 मिलियन कैरिड)

(3) धनराशि मार्वजनिक सूचना सं. 74-आई टी सी (पी.एन.)/74 दिनांक 31-5-74 में निर्धारित किए गए चालान प्रपत्र द्वारा जारी किए जाएंगे।

(4) रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली-6 में चालान की एक प्रति या स्टेट बैंक आफ इंडिया तीस हजारी, दिल्ली-6 की डिमाण्ड ड्राफ्ट प्रस्तुत करने के मध्यम से सूचना जिस भारतीय बैंक ने गारंटी जारी की है उसके द्वारा सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियन्त्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली को परिचमी जर्मनी के नामित बैंक में प्राप्त की गई सूचना टिप्पणियों का पूर्ण व्यौरा देने हुए अधेरण पत्र के साथ भेजी जाएंगी।

(5) केवल प्राधिकृत व्यापारियों के माध्यम से भ्रष्टाचार के लिए जमा करने और सार्वजनिक सूचना सं० 184-भाई टी सी (पी एन)/६८ दिनांक ३० अगस्त, १९६८ के अनुसार उन्होंने से लाइसेंस की मुद्रा वित्तिमय नियंत्रण प्रति भी पृष्ठाकृत कराता आयातकों के लिए अनिवार्य होगा। उन्हें रिजर्व बैंक द्वारा यथा निर्धारित अधीक्षित "एम" प्रपत्र भी भरना चाहिए।

(6) एक लाइसेंस के अधीन आयात पूर्ण कर लेने के बाद और देश सभी घनराशि आयातकों/बैंकरों द्वारा लेख में जमा कर देने पर प्राप्त किए गए आयात माल और जमा किए गए रपए के व्यौरे सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, प्राधिक कार्यविभाग, यू.री.ओ. बैंक बिल्डिंग, पालियामेट स्ट्रीट, नई दिल्ली को अनुबंध-६ में यथा निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत करने चाहिए जिससे कि वित्त मंत्रालय उनका सत्यापन करके जहाँ प्रावश्यक हो, आयातकों द्वारा प्रस्तुत की गई बैंक गारंटी को गिरा करने के लिए व्यवस्था कर सके।

खण्ड 5 संविवाद में परिवर्तन

मंविवादों की माल की सूची, शर्तों, या भुगतान की अनुमूली, माल के मूल्य आदि से सम्बन्धित किसी भी महत्वपूर्ण परिवर्तन के लिए वित्त मंत्रालय और क० एफ० डब्ल्यू० प्राधिकारियों का अनुमोदन प्राप्त करना आवश्यक होगा, इसके परिणाम स्वरूप चाहूँ भुगतान पहले करता पड़े या उसको स्थगित करता पड़े। आयातकों द्वारा उपर्युक्त पैरा २(५) में यथा उल्लिखित सरोकर से भारत सरकार क० एफ० डब्ल्यू० के अनुमोदन के लिए कार्यवाही हेतु ऐसे परिवर्तन की सूचना आधिक कार्यविभाग, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली, (ई ई र्सी-१ अनुमोदन, नार्थ इन्क.) को तुरंत देनी चाहिए।

खण्ड 6 रिपोर्ट भेजना

आवेदन देने, माल की सुपुर्वगति, विदेशी सभरकों को भुगतान आदि को प्रदर्शित करने हुए लाइसेंस के जारी हुए भी तिथि से प्रारंभ करके अनुबंध-७ के अनुसार, एक सार्वजनिक रिपोर्ट को दो प्रतियों में वित्त मंत्रालय, प्राधिक कार्यविभाग (ई सी-१ अनुभाग) कमरा नं० ६४, नार्थ इलाक, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए, और इसको भेजना तब तक जारी रखना चाहिए जब तक कि संविवाद के अधीन सभी पोतवदान और सभी भुगतान पूर्ण न कर लिए जाएँ। शीस लाख छी एम के मूल्य रुपए (राश्वक शुल्क विभाग द्वारा प्रधिसूचित मुद्रा वित्तिमय की दर पर) से प्रधिक के आवंटन के मामले में ऊपर उल्लिखित क्लैमासिक रिपोर्ट के प्रतिरिक्त प्रत्येक वर्ष ३० जून और ३१ दिसम्बर को अनुबंध-८ में निर्धारित प्रपत्र में एक अधैरार्थिक रिपोर्ट (दो प्रतियों में) भी यदि कोई विशेष घटना हो तो परियोजना की प्रगति पर और परियोजना को पूर्ण करने के लिए समय-समय अनुमूली के पालन पर प्रस्तुत करनी चाहिए और इसके साथ आयात करने वाली भारतीय कंपनी की वाधिक रिपोर्ट (दो प्रतियों में) भी जब तक परियोजना पूर्ण न हो जाती कम से कम तीन वर्षों तक भेजना आवश्यक होगा।

खण्ड 7 विविध प्रावधान

7.(1) लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस में किसी भी शर्त से मभरक को अवगत कराता ही चाहिए जो लेन देन का अनुपालन करने में मभरको को प्रभावित करे।

(2) विवाद—यह समझ देना चाहिए कि भारतीय आयातक और विदेशी सभरक के बीच यदि कोई भी विवाद उठेगा तो भारत सरकार उसके लिए कोई भी उत्तरदायित्व नहीं लेगी।

(3) अनिवार्यों का पालन—आयात लाइसेंस से संबंधित उसके कारण उठने वाले किसी एक या भी मामलों के संबंध में के, एफ० डब्ल्यू०, प्राधिकारियों के गाय २५ मिलियन भी एम के पूर्जीगत माल समझौते के अधीन सभी उत्तरदायित्वों को पूरा करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए किसी भी अनुदेश और अंदिश का लाइसेंसधारी को सुनन पालन करना होगा।

(4) अतिक्रमण या उल्लंघन धाराओं में निर्धारित शर्तों का किसी भी प्रकार का अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात तथा नियांत्रित (नियन्त्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

(5) अनुबंधों की अनुसूची—

अनुबंध-१ परियोजना आंकड़ों का प्रपत्र

अनुबंध-२ प्राधिकार पत्र को जारी करने के लिए आवेदन का प्रपत्र

अनुबंध-३ बैंक गारंटी का प्रपत्र

अनुबंध-४ नियांत्रित गारंटी का प्रपत्र

अनुबंध-५ प्राधिकार पत्र का प्रपत्र

अनुबंध-६ प्राधिकार पत्र को भेजने के लिए अनुदेशों का पत्र

अनुबंध-७ बैंक गारंटी को गिराई के लिए यथा नियों की रिपोर्ट व आवेदन पत्र का प्रपत्र

अनुबंध-८ दैमासिक रिपोर्ट, प्रस्तुत करने के लिए प्रपत्र

अनुबंध-९ (अद्वैताधिक प्रगति रिपोर्ट का प्रपत्र) शीस लाख रुपए से अधिक के मामले लिए लागू है।

अनुबंध-१

परियोजना आंकड़ा प्रपत्र

केलिटनास्ट फर बाइफॉक्सो

6, फैक्ट फर्म/पेन, जर्मनी संघीय गणराज्य पालमेन गरिनेन्ट्रैसी

5.9 जर्मन पूंजीगत माल ज्ञान से विवेशी मुद्रा के लिए

आवेदन पत्र

परियोजना आंकड़ा

(1) आवेदक (फर्म)

(क) पूंजीकृत कार्यालय (राज्य सहित पता)

(ख) सार्वजनिक भेद या निजी भेद मस्थान

(ग) व्यापार लाइन/उद्योग की शास्त्रीय

(घ) कंपनी के भारीवार

(इ) विदेशी महयोग ममक्षीता

(ज) वित्त पोषित निया आने वाले पूंजीगत माल की फिरम

(3) पूंजीगत माल के जुनाव का आधार-कृपा अपनाई गई अधिकातम क्रियाविधि का संकेत करे। कृपि. पूंजीगत माल अण किसी भी देशी से खरीद के लिए उपलब्ध है, हमलिए इन मध्य विवरण में संकेत किया जाना चाहिए, कि विविध देशों में निवादा के मध्यमें पूछलाल की गई/वाल की गई भी भार वह आधार बना जिसके लिए विशेष सभरक का चुनाव किया गया है।

(4) सभरक (नाम और पता)

(5) संपूर्ण परियोजना का संक्षिप्त विवरण (जिसके लिए ऐसे पूंजीगत माल की आवश्यकता है)

(6) निम्नलिखित आंकड़ों के विशेषण के साथ संपूर्ण परियोजना की इतानीय और विदेशी मुद्रा में कीमत—

—भूमि एवं भवन

—मशीनरी एवं उपकरण

—परिवासन नियि

—विविध

(7) संदूर्धन परियोजना के लिए स्थानीय एवं विदेशी वित्तीय स्रोत (वित्तदान) के माध्यमों में भवित्व मानित विवरण से इस आठ की पुष्टि कर देनी चाहिए कि कृपया वित्तदान है और इस आवेदन पत्र के अंतर्गत नैं आने वाली विवेशी मुद्रा की आवश्यकता पूरी कर नी/प्राप्त कर नी गई है।

(8) प्राप्त किए गए जांचोंगत लाइसेंस के लिए उद्देश्य पत्र

(9) सन्तुलन पत्र एवं साम तथा हानि के लेखे के साथ दो वर्षों की वार्षिक रिपोर्ट। यदि उपलब्ध हो तो नकदी-गति एवं साम का पूर्णानुमान।

(10) क्षमता

(क) गत दो वर्षों के दौरान घटांमान का औसत उपयोग
(ख) उपयोगार्थीन मामले में कृपया मूल्य कारण दें।

(11) विक्री (गत दो वर्षों)

(12) नितिसंराज किए जाने वाले उत्पादों की मार्किट स्थिति (यदि मंजव हो तो भूकलातीन एवं सम्बोधी विकाम के आकड़ों को प्रदर्शित करें)।

(13) रोजगार

(क) कर्मचारियों की वर्तमान मंज्या
(ख) परियोजना पूर्ण होने के बाद अतिरिक्त कर्मचारी

(14) कर्मचारी माल के संबरण स्रोत

(15) परियोजना के निष्पादन के लिए ममता-मारणी।

अनुबंध - 2

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन पत्र

सेवा में,

महायात लेखा एवं लेखा पर्याक्षा नियंत्रक
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग
पृ. सी ओ बैंक विनियोग पार्लियामेट म्हीट
नई विली।

विषय :--

1983-84 (झी एम 25 नियन्त्रित ऐचिट) के लिए परिवर्तन
अर्थात् प्रजेगत मात्र ऐचिट के अंतर्गत
में का आयात।

.....

महोदय,

ऊपर उल्लिखित परिवर्तन अर्थात् पंजोगत माल ऐचिट के अंतर्गत
करने के संबंध में हम निम्नलिखित व्यूह आपको देते हैं ताकि आप
..... के माध्यम से वैपरिष्ठ वेरेंस म्यूनिक अथवा कार्मज बैंक
ए जी फैक्टरी अथवा ड्यूटमैन बैंक ए जी हम्बर्ग अथवा ड्रेस-डेनर
बैंक ए जी गाल्सेनलेज 7-8, 6-फैक्टरी मेन-1 या फैक्टरी बैंक फैक्टरी/एम
एम मेन या स्टेट बैंक अफ इंडिया फैक्टरी या वेरिस एड वैस्ट बैंक
हम्बर्ग अथवा बैंक फर जीमिस अथवा वर्टसचेफट (झी एफ जी) या
वर्निनर बैंक अस्टिनजैसेल नैफ्ट ए जी बर्निन में मालपत्र खोलने के
लिए प्राधिकार पत्र जारी कर सकें।

(क) आयातक का नाम और पता

(1) क्या मावंजिनिक बैंक का है या निजी क्लेट संस्थान का है।

(2) उद्योग की व्येणी जिससे वह संबंध रखता हो।

(3) वह गाँधी जिसमें स्थित है।

(4) लाइसेंस की संख्या दिनांक एवं मूल्य (लाइसेंस की कोटी प्रति संमत की जानी चाहिए)।

(5) भुगतान नियमों अधीन (लागत बीमा भाड़ा या नागत भाड़ा) किसी भी मामलों में (केवल जहाज पर्यन्त निष्पुन्क मूल्य के लिए प्राधिकारपत्र के लिए आवेदन नहीं किया जाना चाहिए) को दर्शाते हुए, संभरक द्वारा किए गए और स्वीकार किए गए आदेशों का विवेशी मुद्रा में मूल्य।

(6) इस संबंध में एक प्रमाणपत्र के पक्षके आदेश (संभरक के पुष्टि-कारण आदेश के साथ) आयात लाइसेंस के जारी होने की तारीख में भारत माम के भीतर देंदिए गए हैं। यदि 4 मास की निर्धारित अवधि के बाद आदेश दिए गए हैं तो जीमा भी मामला हो, मूल्य नियंत्रक आयात-निर्यात के पत्र/वित्त मंत्रालय के पत्र की एक ऐसी प्रति संख्या की जानी चाहिए, जिसमें आदेश देने के तिथि, ममता बृद्धि के लिए प्राधिकार दिया गया है।

(7) इस संबंध में तीन प्रतियों में एक प्रमाणपत्र कि समुद्रपार संभरकों से तुलनात्मक बोलियों प्राप्त करने के बाद पक्षके आदेश दिए गए हैं। और यह कि न्यूनतम उपयुक्त तकनीकी दाम स्वीकार करा लिए गए हैं। यदि तुलनात्मक बोली प्राप्त करना संभव नहीं है जैसे एकाधिकार मद, तो इसके लिए पुरे श्रौद्धिक दिए जाने चाहिए।

(8) आयात किए जाने वाले माल का संक्षिप्त विवरण।

(9) वास्तविक विवेशी मुद्रा में वह धनराशि (उम वेश की मुद्रा में अस्त दिया जाता है जिसमें संभरक रहता हो) जिसके लिए प्राधिकार पत्र की मांग की गई है (अभिकरण के कर्मशान को स्थोषकर)।

(10) विवेशी मुद्रा में अधिकरण के कर्मशान की धनराशि और भारतीय अभिकर्ता का नाम और पता।

(11) ऐसे मामले में जहां संभरक परिवर्तन जर्मनी से भिन्न देश में स्थित है, तो संभरक के उस बैंक का नाम दिया जाना चाहिए जिसमें वेस्ट जर्मनी में नामित वाणिज्यिक बैंक द्वारा धनराशि प्रेषित की जाती है।

(12) सुपुर्वी पूर्ण करने की प्रत्युमानित तिथि।

(13) संविदा के अस्तर्ता भुगतान के लिए पड़ने वाली एक प्रत्युमूली।

(14) 1. मिलिपन झी एम के बराबर आयात लाइसेंस के मूल्य के मामले में यह बताते हुए एक प्रमाणपत्र दिया जाना चाहिए कि आयात लाइसेंस के मद्देन्द्र मर्मी संविदाएं पूरी कर दी गई हैं और उपर उल्लिखित बैंक द्वारा 100 के लिए दी गई बैंक गारंटी से दिनांक और जो स्टाम्प अधिनियम, 1899 की धारा 31 के

(विवेशी मुद्रा देने के लिए प्राधिकृत भारतीय अनुसूचित बैंक का नाम और अपर उल्लिखित बैंक द्वारा 100 के लिए दी गई बैंक गारंटी से दिनांक और जो स्टाम्प अधिनियम, 1899 की धारा 31 के

अनुमान स्टाम्प कलेक्टर द्वारा विभिन्न अवग निर्मित की गई है, मन्त्रन है।

मंत्रीय

प्रति बैंक की मूल्यार्थ प्रेषित

नाइंवेस्पार्ट

अनुबंध-१

गारंटी बैंड

भारत के राष्ट्रपति,

भारत के राष्ट्रपति के लिए (इसके बाद हमे मरकार कहा गया) परिचय जर्मनी पूर्जागत माल कोडिट 1983-84 की जर्मनी के प्रश्नसार तथा ऊर उल्लिखित रुगर के मर्कें आयातक के नाम से आयातके प्रश्नसार में विवरक बैंक को जारी किया गया लाइसेंस स. का पालन करते हुए के द्वारा बाद में इसे "आपतक" कहा गया है (..... के आयातके लिए भुगतान के लिए जर्मनी हाने हुए विशेषी भुगता में उपयुक्त धनगणि का संकेत करे) आयातके अनुरोध पर हम आयातक द्वारा मनोनीत (वेस्ट जर्मनी से अणियक बैंक का नाम) बैंक द्वारा भुगतान की गई धनगणि को जमा करने के लिए परिवर्तन की जाल परिवर्तन द्वारा जो संघर्ष में समय-समय पर मरकार द्वारा जारी किया गए अनुदेशों के अनुमान परिकलित किया जाता है और इसके साथ । प्रतिशत की विशेषी सभरक को किया भुगतान की जारीख तक मरकारी सेवे में कोडिट के लिए समन्वय स्थिरों के भुगतान की जारीख तक या के एक उल्लंघन द्वारा नवित बैंक की प्रतिरूपी की तिथि तक इसमें जो भी पहुँचे हैं प्रथम 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत वार्षिक दर से और इसमें अधिक की अविक के लिए 18 प्रतिशत वार्षिक दर के हिसाब से व्याज के भुगतान के साथ पार्सर्स की पार्चती की प्राप्ति के द्वारा दिनों के भीतर विधि के साथ भारत मरकार के कोडिट के लिए और ऊर कोडिट के अनतीत उपयुक्त लेखा गार्ड के लिए जैसा कि भारत मरकार द्वारा लेखा गार्ड के मद्दे संकेतित है, अपवस्था करते का भार लेते हैं।

वेस्ट जर्मनी में नामिन वर्णियक बैंक द्वारा प्राप्त आयातक प्रेसेव्हों का परकार्य सेट आयातक को वेक्टर तर्फी लोटाया जाएगा जब कि ऊपर के प्रपेशिन पूरे रूप से जमा कर लिए गए हैं।

2. हम दि बैंक मरकार जहाँ और जैसा भी, समय-समय पर निदेश दें, आयातक द्वारा समय-समय पर मरकार को दो जाने वाली किसी भी प्रकार की धनराशि आहे वह बकाया हो या भुगतान करने योग्य हो या उसका कोई अंग जो आयातक द्वारा दोहे समय के लिए बकाया और देव रह गया है, जिसमें विशेषी संभरक की भुगतान करने की तिथि से इस पर प्रथम तीस दिनों के लिए 12 प्रतिशत वार्षिक मेरकार के अधिकारी शामिल होते हैं, जो गारंटी की जारीख के लिए द्वारा भुगतान करने की तिथि से इस पर प्रथम तीस दिनों के लिए 18 प्रतिशत वार्षिक दर के हिसाब से व्याज भी शामिल है, ऐसी गणि को हर्यांसे में अधिक नहीं है, आपतको द्वारा भुगतान करने में वेर रहेंगी तो इसकी भी अनि से मरकार का दूर गवेंगे और उसकी अतिरूपी करेंगे। आयातक द्वारा उल्लिखित भुगतान करने से किसी प्रकार की देर होने पर अपथक उसकी और से और मरकार की भुगतान किए जाने योग्य गणि के संबंध में जो गणि हमारे बैंक द्वारा दी जानी है, इस संबंध में गरकार द्वारा लिया गया नियम हमारे ऊपर अनिम और अनिवार्य होगा।

3 हम बैंक आगे इस आग पर सहमत है कि संविदा के अन्तर्गत मिली जली वर में परिवर्तन होने पर आयातके मूल्य में वृद्धि होने से या अधूरे माल को छुआने की स्थिति में उसका मूल्य बढ़ जाने की स्थिति में, जब से परिवर्तन हुआ है उस परिवर्तन के प्रत्युत्तम से बैंक गारंटी बाड़ की धनगणि को भासायोजित कर लिया जाएगा।

1 हम बैंक आगे हग आत पर महसूप है कि गारंटी में जो कुछ निर्दित है वे उल्लिखित करार/संविदा के नियादन होने तक पूरी शक्ति और प्रभाव के बाय लागू होते और उसे तब तक कार्यान्वित रखा जाएगा जब तक मरकार के अन्तर्गत या हम गारंटी में आने वाला आयातका देव पूर्णलपेण चुकता न कर दिया गया हो और उसकी मार्गे पूरी त हो गई हों या उत्सव न हो गई हों।

5. इसमें उल्लिखित गारंटी पर आयातक या दि वह के सविगत में किसी प्रकार का परिवर्तन होने से प्रभाव नहीं पड़ेगा और मरकार को यह पूर्ण स्वतंत्रता होती कि गारंटी की प्रभावित किए बिना आयातक और दि बैंक पर लागू होने योग्य किसी भी शक्ति का किमि। समय या समय-समय के लिए स्थिति करने और उपर्युक्त समस्तों के बंदर्में से या किसी कारणवश शोडे समय के लिए आयातकों या किसी अन्य स्थान को दिया गया हो, इस गारंटी के अन्तर्गत मरकार द्वारा किसी प्रकार की स्वतंत्रता बर्दी जाने पर यह अपनी जिम्मेशारी से उत्सव नहीं होती, लेकिन इस अवस्था के लिए नियम या मरकार की और से दो गई लृट या आयातक पर किए गए किसी तरह से अनुश्रूत हो या और कोई समस्ता या आयात, जाहे जो भी हों, जो जमानों से संवंशित हो बैंक पर इस प्रकार की जिम्मेशारियों के लिए ऊर कृपित उत्सवित का प्रभाव नहीं पड़ेगा।

6 अन्त में हम बैंक यह भार लेते हैं कि मरकार द्वारा लिखित में गशमर्ण पाए गिना मद्रा में इसकी गारंटी को रह नहीं करें।

7. इस गारंटी के अन्तर्गत लृपए (इसमें व्याज तथा अन्य प्रभाव भी शामिल है, इस गारंटी की धनराशि के 1 प्रतिशत में यादवा होने की उम्मीद नहीं की जाती) तक संविदा ग्रहने की जाल जिम्मेशारी लेते हैं और यह विन साम 198 तक, जब तक इसकी तारीख से डेढ़ वर्ष के भारत लिखित रूप में इस गारंटी के अनतीत भागे पूरी नहीं कर ली जाती, इसे लागू रखा जाएगा और जब तक उसके बाद दूसरे डेढ़ वर्ष के भीतर अर्थात तक उसकी मार्गों के लिए मुकदमा या कार्रवाई लागू न हो जाए, इस गारंटी के अनतीत मरकार मर्की अधिकारों से वंचित हो जाएगी और हम लोग इसके अन्दर निहित जिम्मेशारियों से मुक्त और उत्सव कर दिए जाएंगे।

..... दिन का दिनाक
वास्ते के श्री के

(बैंक लि.)

द्वारा नाम और ओष्ठा भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी और से स्वीकृत हस्ताक्षर

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर

8. यह तारीख और एक माम के साथ प्राप्तिकार पत्र को वेष्ट रखते तक की तारीख में लागू होती है।

टिप्पणी—(1) स्टाम्प पोर का मूल्य जिसमें यह गारंटी कार्यान्वित होने वाली है, इसके मूल्य का भासीय स्टाम्प अविनियम की धारा 31 के अनुसार स्टाम्प कलकटा के द्वारा लागू नियम किया जाना है।

(2) बैंक गारंटी का मूल्य देव उपर्युक्त कंडिका 2 एवं 7 जो 1 प्रतिशत जोड़ते के पश्चात् संविदा के वास्तविक लागत तथा भाड़ या लागत र्भीमा भाड़ मूल्य होगा और आयात लाइसेंस जारी होने की तारीख का मुद्रा विनियम (संभा शुल्क) की प्रक्रियत दर पर परिवर्तन और शामिल किया जाएगा।

अनुबन्ध-4

(निष्पादन बाण्ड)

भास्त्रधोरी का पता मूल्य
के ठेके पर (परियोजना)
(के लिए मैमर्स (जिनको
वाष में ठेकेदार के नाम से पुकारा जाये) के साथ
को आपके ठेका करने के विचार हेतु
और भूकि ठेके की यह एक शर्त है कि ठेके के मूल्य का
प्रतिशत का एक निष्पादन बाण्ड दिया जाय,

हम, अशोकसाकारी बैंक, उपर्युक्त संविधान के अधीन सभी आपसियों तथा
प्रतिवायों को दूर करने द्वारा, आपकी निखित घोषणा के मद्दे कि ठेकेदार
ने अस्तीकार कर दिया है अथवा उपर उस्तिक्षित ठेके का निष्पादन करने
में असफल रहा है (उपर्ये) (यद्यों
में) की सीमा तक आपके द्वारा मार्ती गई किसी भी धनराशि का आपको
प्रथम लिखित मांग पर बिना किसी विवाद के एतद्वारा अपरिवर्तनीय
तथा स्वतंत्र रूप से आपकी भुगतान करने के लिए गारंटी देते हैं।

इस गारंटी के अधीन यदि कोई क्लेम किया जाता है तो
नाम में भुगतान ऐडिटान्मटाल्ट पर बैंकिंगफैब्रिक फैक्टरी/मेन (एकाइच्च
न. 50 409 100 इमूटसच बुनडेसवैक, फैक्टरी/मेन के साथ) प्रदत्तित
होगा।

यह गारंटी (तिथि) को
समाप्त होती और उस तारीख तक हमें भौही भी क्लेम रिक्रिस्टर्ड पर
अथवा केवल द्वारा अधिक प्राप्त होना चाहिए।

यह मान लिया गया है कि आप इसके अधीन मार्ती गई कूल धनराशि
के भुगतान समाप्त होने पर आप यह गारंटी वापस हमको कर देंगे।

तिथि बैंक
अनुबन्ध-5

प्राधिकार पत्र की संख्या

स.

भारत भरकार

वित्त मंत्रालय

(प्रार्थिक कार्य विभाग)

नई विलो, विनाक...

सेवा में,

(मनोनीत बैंक का नाम और पता)

जर्मनी संघीय गणराज्य

विषय:- जर्मन संघीय गणराज्य से, डी० एम० 25 मिलियन पूँजीगत
माल ऐडिट विनाक 12-9-83 (ए.एल-8265852) प्रायात
साइसेस सं दिनांक सीधे भुगतान क्रियाविधि
के अधीन विवेशी संभरकों को भुगतान।

प्रिय महोदय,

उपर्युक्त क्रियाविधि की शर्तों के अनुमार, हम आपको एतद्-
द्वारा सर्वथी द्वारा की मई भविदा के मद्दे
के प्राप्ति के लिए
1526 GI/84-2

..... द्वारा खोले गए साख-पत्र के प्रत्यंत सर्वथी
को का भुगतान करने के
लिए भी एम में जितनी भी धनराशि आवश्यक हो जर्वे करने के लिए
प्राधिकृत करने हैं।

2. यूंकि धनराशि डी० एम० 25 मिलियन परिवर्ती जर्मनी पूँजीगत
माल ऐडिट के अंतर्गत विलियन की जानी है, वस्तावेज प्रस्तुत करने पर
उनके विषय में सातचौत रुपये और साथ क्रिडिटस्टाल्ट फर भी
उरफर्बों, फैक्टरी में अदायगी प्राप्त कर संभरक को भुगतान करें। यदि
के एक इच्छ्य किसी कारण से धनराशि की अदायगी नहीं कर रहा है तो
आप आवश्यक अदायगी के लिए इस विभाग से संपर्क स्थापित करें।

3. प्रत्येक भुगतान के बाद जहाजरामी एवं अन्य प्रकार के प्रसेर्वर्डों
(परकार्य) को सीधे भेजें जाएं और प्रसेर्वर्डों
(परपरकार्य) के एक सेट के साथ एक भुगतान परामर्श हमें सुचतार्य
भेजी जाए।

4. उपर्युक्त साख पत्र के अंतर्गत आपके बैंक प्रभार
के भारत द्वारा जमा धन से आपके साथ ही तय किया जाएगा।

5. यह प्राधिकार 198 तक
संधि रहेगा।

भवदीय,

(लेका प्रधिकारी)

प्रति:-

- एक प्रति भारतीय बैंक को।
- आपातक को
- के०ए०डब्ल्यू०, फैक्टरी को इस मंजालय के पत्र से,
दिनांक के अनुसरय में।

उनसे अनुरोध है कि वे बैंक के
अनुरोध पर तत्काल ही अतिक्षीम अदायगी के लिए प्रबंध करें।

अनुबन्ध- 6

विषय:- 1983-84 के लिए डी० एम०-25 मिलियन परिवर्ती जर्मनी
पूँजीगत माल ऐडिट के अंतर्गत आपके बैंक द्वारा साख-पत्र खोलने के
लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

आपात साइसेस सं दिनांक
प्रिय महोदय,

..... से पत्र संख्या
..... दिनांक के संबंध में, जिसमें उन्होंने 1983-84
के लिए डी० एम० 25 मिलियन परिवर्ती जर्मनी पूँजीगत माल
ऐडिट के अंतर्गत आपके बैंक द्वारा साख-पत्र खोलने की अनुमति मार्ती
है, मैं उन्हें विदेशी संभरक को तक भुगतान की
व्यवस्था के लिए प्राधिकृत करते हुए आर्थिक कार्ये विभाग की पत्र से,
दिनांक संलग्न करता हूँ।

(एक प्रतिरक्षित प्रति के साथ)

इस प्रधिकार पत्र को आपके द्वारा खोले गए साख-पत्र के साथ
को भेज दिया जाना चाहिए।

2. इस विभाग को अवगत कराते हुए इस पत्र के जारी होने
की तारीख के तीन दिनों के भीतर आपको साख-पत्र खोलने का प्रधिकार
दिया जाता है जो इसकी धनराशि से प्रधिक महीं होती

चाहिए। वित्तमय नियंत्रण नियम प्रस्ताव के भाग-7 की कंडिका 10 में अनुसार यह सुनिश्चित कर देना आवश्यक है कि 'पोलिक्राइट को अतिम तारीख निरचन होने के बाद मालापत्र की समाजिक वार्ता अधिक 45 दिनों से पहले नहीं हो जैसा कि संबंधित आयात साइंसेस में बनाया गया है या प्राधिकार पत्र में जो तारीख वीर्ग है इनमें से ज्ञाते जो भी पहले हो वही होनी चाहिए। मालापत्र खोलने से पूर्व आयातक इस बात के लिए कृपया सुनिश्चित हो जाए कि उसके पास वैध आयात लाइसेन्स है।

3. बैंक में पूछा जाए कि वे दस्तावेज़ प्रस्तुत करने पर नामीन करे और साथ ही साथ केंद्र एफ० इन्फ० में प्रतिपूर्ति प्राप्त कर भुगतान करें।

4. आपसे अनुरोध किया जाता है कि से दस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर ही आपके द्वारा की गई संविधान के अनुसार आप लैण्ड बैंकिंग महिल जर्मन मंत्रीय गणराज्य में संभरक के लिए ई.एम. में भुगतान का गा अन्य देशों के विदेशी संभरकों के लिए अन्य विदेशी मुद्रा में भुगतान की और इसके साथ एक प्रतिशत के हिसाब में अनुबंधिक और प्रभावों की प्रभावी की प्रभावी बनाने के लिए (पश्चिम जर्मनी में नामित वाणिज्य बैंक का नाम) जमा करने की व्यवस्था करें। विदेशी संभरकों को चुकाई गई धनराशि के समतुल्य रूपए द्वारा इयूरोबे मार्क में अर्च की गई धनराशि के समतुल्य रूपए की गणना भगवानी सूचना के जौनी हैं तक सार्वजनिक सूचना सं. 15-आर्टीसी(पीएन)/72, दिनांक 28-1-72 एवं सार्वजनिक सूचना सं. 108-आर्टीसी(पीएन)/72, दिनांक 21-7-72 और 8-आर्टीसी(पीएन)/76 दिनांक 17-1-76 में यथा सकेन्टि प्रदला-बदली की मिली-जुली दर में परिणित की जाएगी। जब कभी विनियम की आई.एम. एफ. की सम दर में परिवर्तन होता है तो वो वर संभोधनार्थी है। संभरक की भुगतान की तिथि से और जिस तिथि को समतुल्य रूपया जमा किया गया है (दोनों दिन मिलाकर) प्रथम तीस दिनों के लिए 12% वार्षिक दर से और इससे अधिक के लिए 18% वार्षिक दर के हिसाब से स्थान भी सरकारी लेबे में जमा करना है। जैसा कि सार्वजनिक सूचना सं. 31-आर्टीसी(पीएन)/83 दिनांक 10-8-83 में दिया गया है और जो संभरक की भुगतान की तिथि में गिना जाएगा या के. एफ. इन्फ० द्वारा नामित बैंक की आयातगी की तिथि में गिना जाएगा, इनमें ओ भी पहले हो। आयातक की लदान प्रेसेश्नों की दिए जाने से पूर्व इन धनराशियों को जमा करने की व्यवस्था करना आपकी जिम्मेदारी होगी।

5. ये धनराशि या तो रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, विल्सो में नकद जमा की जानी चाहिए या स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शास्त्रा या इसके नियंत्रना (आदेशक) के द्वारा आपको प्राप्त डिमांड ट्राइट जो स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली-6 (आदेशकी और पाने वाला) के नाम निकालने और भुगतान के लिए है, उसके द्वारा जमा की जानी चाहिए। इस संबंध में आपका व्यान सार्वजनिक सूचना सं. 233 आर्टीसी(पीएन)/68, दिनांक 31-5-74 द्वारा व्यान संसंगोष्ठि सार्वजनिक सूचना सं. 113-आर्टीसी(पीएन)/71 दिनांक 5 अक्टूबर, 71 की ओर आकृष्ट किया जाता है जिसमें इसे जमा किया जाना है उसका लेखा शीर्ष, केंडिपोजिट एंड इडवासेंस—बी-डिपोजिट नाट्र विवरण हन्ड्रेस्ट अंडर ब्लायरेक्ट पेमेंट प्रोसीजर डिपोजिट फार कास्ट आफ एन्लाइज एंड एक्यूपमेंट आयटेन्ड अंडर बैंस्ट जर्मन कैपिटल गुडस ट्रेडिट 15 फार 1983-84 (डी०एम० 25 मिनियन) होगा।

6. मनोनीत जर्मन बैंक में प्राप्त भींट का पूरा विवरण देने का एक प्रतिविधि पत्र के साथ रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली में समतुल्य साया नकद में जमा करने

के मामले में भालाम की एक मूल प्रति भारपक छारा लीचे परे पर भी जानी चाहिए।

महायना ऐका एवं ऐका परीका नियंत्रक,

विल्स मंत्रालय, आधिक कार्य विभाग,

पू.सी.ओ. बैंक विलिंग, पार्लियामेंट स्टीट, नई दिल्ली ।

हिमांड ट्राइट द्वारा समतुल्य रूपया जमा करने के मामले में जैसा कि जार की सार्वजनिक सूचना दिनांक 24 अक्टूबर, 68 में बताया गया है, उसके सूचना ऊपर दिए गए परे भी जानी चाहिए। सभी मामलों में व्याज की जा धनराशि लुका दी गई है और जिस अवधि के लिए व्याज परिणित किया गया है उसके विवरण के साथ जमा किए गए समतुल्य रूपए का पूरा विवरण उस विभाग को भेज देना चाहिए।

7. खोने जाने वाले मालापत्र में इस सबध में एक मूलतान वाक्यांश जोड़ा जाना, चाहिए कि विदेशी भीमा कपनी द्वारा प्राप्त कोई वाका और/या गारन्टी के निष्पादन में संबंधित बैंक गारंटी में होने वाले कोई दाये भीमा कपनी और/या डी.एम. में गारन्टी देने वाले वैक द्वारा विल मंत्रालय, आधिक कार्य विभाग, नई दिल्ली को अवगत कराते हुए भीष्म ही के. एफ. इन्फ०. (लेखा सं. 504,09100 ड्यूम्स बन्केसबके, फैल्कर्टमिन) को प्रेषित किए जाने चाहिए।

8. जिस विदेशी मुद्रा में प्राधिकार पत्र जारी किया गया है, उसी में साथ पत्र खोला जाना चाहिए।

9. भारतीय अधिकारी का कमीशन, यदि कोई हो तो भारत में रूपए में अदा किया जाना चाहिए।

10. कृपया इस पत्र की पावती भेजी जाए।

भवदीय,

लेखा अधिकारी

प्राधिकार पत्र की संख्या की एक प्रति के साथ प्रति सूचना एवं उसके ऊपर दिए गए पत्र के संबंध में संबंधी की प्रेषित।

लेखा अधिकारी

अनुबंध-7

प्रपत्र

1. जिस आयातक/लाइसेंसधारी की ओर से बैंक गारन्टी भेजी गई श्री उसका नाम और पूरा पता।

2. आयात लाइसेंस की संख्या और दिनांक एवं मूल्य।

3. भेजी गई गारन्टी की संख्या, दिनांक एवं धनराशि।

4. सालापत्र खोलने के लिए विल मंत्रालय में प्राप्त प्राधिकार पत्र के अधीन:-

(क) प्राधिकार पत्र की संख्या एवं दिनांक

(ख) प्राधिकार पत्र की धनराशि (विदेशी मुद्रा में)

5. प्रभावी किए आयातों एवं जमा किए गए रूपयों के ब्यारे:-

(क) संभरक का नाम

(ख) उपयुक्त (क) में उल्लिखित संभरक को चुकाई गई वास्तविक धनराशि (विदेशी मुद्रा में)

(ग) वेस्ट जर्मनी में नामित बैंक द्वारा गमनक का विए गए भुगतान की तारीख

- (थ) ग्रन्थ किए गए स्पष्ट की धनराशि।—
- (1) गमरक की चुकाई गई विवेशी मुद्रा भी धनराशि का ममतुल्य रपण (विवेशी मुद्रा की एक एकक की दर में)
 - (2) चुकागा गया ब्याज
 - (3) जिस प्रबंध नक्क ब्याज परिकलित किया गया है
..... से तक
 - (4) कुल किया गया जमा
 - (5) जमा करने का विनाक और स्थान
 - (6) राजकार्य चालान की संख्या एवं दिनांक (इसे मंसून किया जाना है) यदि राजकोष चालान पहले ही भेज दिया गया है तो उसकी संख्या एवं विनाक का संवर्ती उद्घृत किया जाए।
 - (7) यदि उपर्युक्त (अ) (4)-में लिखित रूपया हिमांड ड्राइफ्ट के माध्यम से जमा किया गया था तो ड्राइफ्ट की संख्या, दिनांक और धनराशि और आपके जिस पत्र के माध्यम यह भारतीय स्टैण्ड बैंक, तीस हजारी, दिल्ली का भेजा गया था उसके ब्योरे का उल्लेख किया जाए।

6. प्रत्येक प्राधिकार पत्र के मद्देह प्रश्नकृत एवं उपर्युक्त शेष धनराशि (विवेशी मुद्रा में)।

7. इस सबधृत में एक प्रमाण-पत्र कि उपर्युक्त कांडिका-6 में संकेतित शेष धनराशि का उपयोग नहीं किया गया है और इसके लिए कोई प्राविन्दी नहीं किया गया है तथा उसे समाप्त हुआ समझा जाए।

अनुबंध-8

प्रपत्र

कंपनी का नाम	तिरी क्षेत्र/मार्ग-	उत्थोग की ध्रेणी	कंपनी का पता
जनिक क्षेत्र			
1	2	3	4

आवेदन को धनराशि (रपण में)	आयात लाइ- सेन्स का साथ पत्र के मेंस की म. संख्या दिनांक एवं मूल्य (रु. में)	साथ पत्र का साथ महे, चुकाई गई धनराशि (विवेशी मुद्रा में)	
5	6	7	8 9

टिप्पणी:- डी.एम. । मिनियन के समसुल्य रपण से अधिक आवंटन से संबंधित रिपोर्ट के अतिरिक्त यदि मुद्रा की दर राजस्व (सीमा

शुल्क) विभाग द्वारा अधिसूचित कर दी गई है, लाइसेंस धारी के लिए परियोजना की प्रगति के और परियोजना पूर्ण होने के लिए निर्वाचित समय के प्रत्यापालन के लिए विवेशी अवसर पर, यदि कोई ही तो अनुबंध-8 के रूप में प्रदृढ़ वार्षिक रिपोर्ट को भेजना भी आवश्यक होगा और इसके साथ परियोजना के पूर्ण होने तक कम से कम तीन-तीन बर्षों वार्षिक रिपोर्ट (दो प्रतिवर्षों में) भी भेजना आवश्यक होगा।

अनुबंध-9

परिवहनी जर्मनी पूजीगत माल क्रेडिट के अतर्गत परियोजनाओं की प्रगति के संबंध में अद्वितीयिक रिपोर्ट भेजने का प्रपत्र 30 जून/31 दिसम्बर।

1. कंपनी का नाम तथा पता (प्रधान कार्यालय का पता तथा फैक्ट्री का भी पता)।
2. वह राज्य जिसमें यह स्थित है। (जिस राज्य में प्रधान कार्यालय स्थित है यदि उसमें प्रधान राज्य में फैक्ट्री स्थित है तो उसका साफ़ साफ़ मंत्रक भेजा जाना चाहिए)।
3. क्या यह सार्वजनिक क्षेत्र संस्थान है या निजी क्षेत्र संस्थान है ?
4. उद्योग की वह शाखा जिसमें यह मन्त्रित है।
5. भारत सरकार द्वारा प्रत्योदित क्रेडिट के अतर्गत आवंटन का मूल्य।
6. पूजीगत माल की मर्दां के विनिर्माण के विवरण के साथ परियोजना का संक्षिप्त विवरण।
7. आयात लाइसेंस की संख्या, विनाक तथा मूल्य।
8. डी.एम. में लाइसेंस के अधीन संविदा(ओं) का मूल्य।
9. को डी.एम. में संभरणों को भुगतान की गई धनराशि।
10. यदि आयात लाइसेंस में शेष धनराशि है तो क्या उसके उपयोग किए जाने की संभावना है। यदि ऐसा है तो वह कितनी है और कितनी जल्दी इसे आगे सवित्रा द्वारा उपयोग में लाया जा सकता है।
11. समय-सारणी रखना, वास्तविक तिथियों के साथ मार्गी की तुलना और समय सारणी को परिवर्तन करने के लिए क्या कारण है।
12. यदि नहीं तो उसके विस्तृत कारण सहित परियोधित समय सारणी।

13. परियोजना की प्रगति :—

1. माल का समरण (पुरुषों की शर्तें)
2. स्थापना (फिस्म तथा कॉटि)
3. प्रचालन (प्रतिम स्वीकृति, किए गए प्रयोग संचालन के परिणाम)।
14. परियोजना की समापन तिथि।
15. परियोजना की आर्थिक उत्तमता।
16. भागत और वित्तीय योजना का कार्यान्वयन/योजना की वास्तविक मूल्य के साथ सुलाना।
17. परियोजना के चालू करने से संबंधित कोई विशेष घटनाएँ।
18. परियोजना की नवीनतम आर्थिक रिपोर्ट (सो प्रतिवार)।
- टिप्पणी :— जो सारू न हो उसे काट

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 83-ITC(PN)|84-85

New Delhi, the 5th February, 1985

Subject :—Licensing conditions for imports under West German Capital Goods Credit of DM 40 Million for 1982-83, DM25 Million for 1983-84, DM15 Million for 1983-84 and 60 Million for 1984-85.

File No. IPC|23(11)|84-85.—The terms and conditions governing imports under the West German Capital Goods Credit as given in Appendix to this Public Notice, are notified for information.

P. C. JAIN,
Chief Controller of Imports & Exports

APPENDIX

Conditions attached to import licences issued under the West German Capital Goods Credit of DM 40 Million for 1982-83; DM 25 million for 1983-84 DM 15 million for 1983-84 and DM 60 million for 1984-85.

I. (i) Where the value of allocation approved by the Capital Goods Committee exceeds the rupee equivalent of DM 2 million (the rupee equivalent being determined at the exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) under Section 15 of the Customs Act, 1962) the prior concurrence of the West German authorities/Kreditanstalt fur Wiederaufbau (KfW) to the allocation is obligatory, and this would be obtained by the Department of Economic Affairs on the basis of the project data to be supplied by the Indian importer in the form at Annexure—I. Till such concurrence from West German authorities is communicated to the Licensing authorities (CCI&E) by the Department of Economic Affairs no import licence can be issued in favour of the Indian importer.

(ii) The licence shall bear the superscription "DM 25 million West German Capital Goods Credit for 1983-84." The licence code for the first and second suffix will be "S|GN". These will also be repeated in the CCI&E's letter forwarding the import licence.

(iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the Import Licence, except bank charges which may be remitted through normal banking channel. Payments towards Indian Agent's commission, if any, should be made in Indian rupee to the agents in India. Such payments however, will form part of the licence value and will therefore be charged to the licence.

(iv) The goods and related services to be procured under this import licence can be imported from the Federal Republic of Germany including the Land Berlin or any other country. The overseas supplier is, therefore, free to procure material, etc. from a third country, if found necessary, for the execution of the contract.

(v) The minimum and the maximum amounts for which an import licence can be issued under this Credit is the rupee equivalent of DM 30,000 and DM 5,000,000 respectively. However, in exceptional cases, the maximum limit can be relaxed by the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance upto DM 7,000,000 (rupees equivalent being calculated at the rate of exchange notified by the Department of Revenue (Customs) which rate of exchange should be indicated in the import licence as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)| 74 dated 6th June, 1974 issued by the Chief Controller of Imports and Exports).

(vi) The import licence will be issued on CIF basis with an initial validity of 24 months or the last date of shipment as indicated in para 2 (xii) below, whichever is less subject however to the condition that the import licence will have a minimum validity of 12 months from the date of issue.

(vii) Firm orders (meaning thereby purchase Order by the Indian licensee on the foreign supplier supported by order confirmation from the latter or purchase contract duly signed by both the Indian importer and the foreign supplier) must be finalised within a period of 4 months from the date of issue of the import licence (vide para I (ix) below). Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation by such Indian Agents are not acceptable.

(viii) If firm orders, as explained in para I (vii) above, cannot be finalised within the time limit of four months, the Licensee should submit to the Chief Controller of Imports & Exports (CCI&E), or other licensing authorities, as the case may be a proposal seeking an extension in the ordering period alongwith justification and explanation as to why ordering could not be completed within the initial validity period. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merits by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence, such proposals will invariably be referred by the licensing authorities to the Department of

Economic Affairs (EEC. I Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and convey its decision, to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of such letters of the licensing authorities sanctioning extension will the authorised dealers in foreign exchange and departmental authorities permit the facility of bank guarantee, letters of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of rupee equivalent, etc.

1. (ix) It will be in the interest of the licensee to ensure that firm order is finalised within the stipulated time limit for ordering. In cases where this cannot be done the licensee should of his own, approach the licensing authorities for a suitable extension in the period of ordering. The authorised dealers in foreign exchange|departmental authorities concerned will exercise necessary checks to ensure that the licensee complies with the requirements of placing orders within 4 months.

1. (x) In cases where firm orders have not been placed for the full value of the licence during the initial validity period of the licences, it will be necessary for the licensee to obtain the permission of the licensing authorities in the manner as explained in para I (viii) above before placing orders against such unordered balance value of the licence.

Section II : Special points to be kept in view while concluding purchases contracts.

2. (i)—The contract price should invariably be expressed in the currency of the country in which the foreign supplier is situated. The contract price should be firm and final and no provision for any escalation would be permitted. If any commission is payable to an Indian Agent of the foreign supplier it must be distinctly shown in the contract as an item of cost payable in Indian rupees in India and the net amount payable to the foreign supplier in foreign currency should therefore be shown exclusive of such Indian Agent's commission. For the purpose of calculating the value in foreign exchange upto which purchase orders can be placed against the import licence, the value of the import licence should be computed at the rate of exchange notified by the Department of Revenue (Customs) under Section 15 of the Customs Act 1962 and indicated in the import licence as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)|74 dated 6th June, 1974 issued by the Chief Controller of Imports and Exports.

2. (ii) Supply orders should be placed either on CIF or on C&F basis in the case of private sector importers. In the case of public sector importers the orders should be placed only on C&F basis.

2. (iii).—It should clearly be understood that the purchase contracts under the import licence should be placed after obtaining comparable bids from overseas suppliers. In this connection it may be noted that the Indian importer is free to import from any country of his choice, as approved by the Capital Goods Committee of the Government of India.

2. (iv).—Minimum value of eligible contract.—Provided that the aggregate value of purchase contracts under an import licence is not less than DM 30,000 (in the case of purchases made wholly from the Federal Republic of Germany) or equivalent of DM 30,000 (in the case of purchases made wholly or partly from countries other than the Federal Republic of Germany), it is permissible for the importer to enter into individual purchase contracts for a value of less than DM 30,000 or equivalent of DM 30,000. This is however subject to the condition prescribed in para 2 (xiii) below in respect of purchase contracts under an import licence the value of which does not exceed the rupee equivalent of DM 2 million.

2. (v) (a) The purchase contract under the import licence is required to be specifically approved by the Government of India and the Kreditanstalt fur Wiederaufbau (KfW) (the West German Bank Development Loan Corporation through which the West German Capital Goods Credit of DM 25 million has been made available) and therefore should incorporate a specific clause to this effect in the purchase contract.

(b) In the case of contracts entered into against an import licence whose value is the rupee equivalent of DM 2 million or less calculated at the exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs), the approval of the contracts will not be specifically, intimated to the importer. Once the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs have forwarded the contract documents to the KfW under intimation to the importer, he may proceed as if the contract has been approved by the KfW also unless the KfW raises any objection subsequently in which even the importer will be informed suitably.

(c) In the case of contracts entered into against an import licence whose value is for an amount exceeding the rupee equivalent of DM 2 million, (Calculated at the rate of exchange notified by the Department of Revenue (Customs), the approval of the KfW will be first obtained by the Govt. of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs and specifically communicated to the Indian importer and until then the contracts should be treated as provisional. For this purpose 3 copies of the purchase contract alongwith a certificate (in triplicate) that orders have been placed after obtaining comparable bids from Foreign suppliers are required to be sent by the Indian importers to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (EEC. I Section) Room No. 69, North Block, within a fortnight from the date of conclusion of the purchase contract.

2. (vi) Where contract is placed on CIF basis and accordingly the foreign supplier takes out the marine insurance, the foreign supplier should arrange to take out insurance in a freely convertible currency and obtain an undertaking from the insurance company concerned that payment if any arising out of insurance claims, would be made directly in DM to KfW (AC|No. 50409100 with Deutsche Bundesbank, Frankfurt|Main).

2. (vii) Where contracts are placed on C&F basis, the marine insurance should be taken out with an Indian insurance company and the premium should accordingly be paid in Indian Rupees. However the

Indian importer should obtain the following undertaking from the Indian insurance company and furnish it (in triplicate) to the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance (EEC—I Section) along-with the contract documents :—

"We shall make remittance in foreign currency to the overseas suppliers for any replacement, that may be necessitated by loss or damage to goods".

2 (viii) As the contracts are required to be placed either on CIF basis or on C&F basis as per para 2 (ii) above, the foreign suppliers should be made responsible to pay the freight charges in foreign currency, even where Indian ships are used. In no circumstances the freight charges should be paid in Indian rupees.

2. (ix)—Payments to foreign suppliers against the licence will be made by means of a 'Special' letter of credit as explained in Section III below and no remittance facility will be permitted against the import licence for this purpose.

2. (x) As regards transportation of goods purchased against the import licence, the party responsible for arranging shipment of the goods under the purchase contract will be free to choose the carriers. Shipment can be made from the country in which suppliers are situated or from a third country.

2. (xi) For contracts whose value exceeds DM 1 million in the case of purchases from the Federal Republic of Germany including Land Berlin or, in the case of purchases from other countries, for contracts the DM equivalent of whose value exceeds DM 1 million, the purchase contracts should provide for furnishing of performance guarantee by the foreign supplier in regard to the performance of the goods supplied (covering 10 per cent of the order value). The performance guarantee in the proforma at Annexure—IV should be submitted to EEC—I section on submission of contract documents for request for issuance of letter of authority (in the case of other contracts, from namely for contracts whose value is less than the limit indicated above, the Indian importer is free to decide the question whether or not he needs a performance guarantee from the foreign suppliers). The form of the performance guarantee can however be settled by the Indian importer with the foreign supplier by mutual consent. It should, however, be ensured by the Indian importer that payments, if any, due to him from the foreign supplier arising from the performance guarantee stipulations should be made direct to Kreditanstalt fur Wiederaufbau (Acct. No. 50409100 with Deutsche Bundesbank Frankfurt/Main).

2. (xii) Payments to the foreign suppliers under the import licence should be completed by the 30th June, 1986. A suitable provision should, therefore, be made in the purchase orders/contracts to ensure completion of shipments and payments by 30th June, 1986. In case it is anticipated that payments cannot be completed by that date, a request for extension with adequate justification must be made to the Department of Economic Affairs (Controller of Aid Accounts & Credit, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi) by 30th April, 1986. Such requests will be considered on merits.

2. (xiii) In the case of import licences whose value does not exceed the rupee equivalent of DM 2 million the purchase contracts are required to be submitted by the Indian importer to the Department of Economic Affairs in a single lot. Submission of contracts piecemeal will not be entertained. In this connection the minimum value for eligible contracts explained in para 2(iv) above should be kept in view.

Section III—Payment to foreign suppliers—"Special" Letter of Credit Procedure

3.—(i) Request for issue of Letter of Authority

Within a fortnight of conclusion of purchase contracts with foreign suppliers against an import licence whose value does not exceed rupee equivalent of DM 2 million (at the rate of exchange notified by the Department of Revenue (Customs) or within a fortnight from the date of communication of the Government of India (vide para 2(v) (c) above) conveying the approval of KfW to the contracts placed against an import licence whose value exceed the rupee equivalent of DM 2 million (at the rate of exchange notified by the Department of Revenue (Customs), as the case may be, the licensee should submit the following documents to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, EEC—I Section, North Block, New Delhi with the request for the issue of Letter of Authority for opening an irrevocable letter of credit in favour of the foreign supplier concerned .

(a) In respect of contracts against import licence whose value does not exceed the rupee equivalent of DM 2 million.

(i) Three copies of the Purchase Order and three copies of the foreign supplier's confirmation thereto, duly signed by the Importer and Suppliers respectively or photo copies thereof. Attested copies or the orders placed on the Indian Agents and confirmation by such agents are not acceptable.

OR

Three copies of the purchase contract duly signed by both the Indian importer and the foreign supplier or photo copies thereof or an Attested copies of the orders placed on the Indian Agents and confirmed by such agents are not acceptable.

(ii) A request (in triplicate) for issue of Letter of Authority in the form prescribed in Annexure-II.

(iii) A Bank Guarantee in the prescribed form as in Annexure—III from an Indian Bank authorised to deal in foreign exchange. (not applicable in the case of Public Sector Imports).

(iv) In the case of C&F contract, three copies of the undertaking from the Indian insurance company vide para 2 (vii) above.

(v) A certificate in triplicate vide para 2(iii) above that orders have been placed after obtaining comparable bids from foreign supplier.

- (vi) A certificate that no further contracts will be placed under licence vide para 2 (xiii) above.
- (b) In respect of contracts against import licence whose value exceeds the rupee equivalent of DM 2 million

In addition to the contract documents furnished earlier (in respect of which KfW's approval will have been obtained by the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs) vide para 2(v)(c) above, the following documents should be submitted :

- (i) A request (in duplicate) for the issue of Letter of Authority in the form prescribed in Annexure-II.
- (ii) A Bank Guarantee in the prescribed form as in Annexure-III from an Indian bank authorised to deal in foreign exchange (not applicable in the case of Public Sector Imports); and
- (iii) In the case of C&F contracts, three copies of the under taking from the Indian insurance company vide para 2(vii) above.

3. (ii) It is clarified that in the case of public sector imports, no bank guarantee is required.

3 (iii) Opening of Letter of Credit

Letter of Credit can be opened on the strength of the Letter of Authority on any one of the following 9 commercial banks in West Germany designated for this purpose :—

- (i) The Bayerische Vereinsbank, Munich.
- (ii) The Commerz Bank, A.G. Frankfurt
- (iii) The Deutsche Bank A.G. Hamburg
- (iv) The Dresdner Bank A.G., Gallusanglage 7-8, 6, Frankfurt|Main-I
- (v) State Bank of India, Frankfurt
- (vi) Berliner Handels Gasell-schaft Frankfurter Bank
- (vii) Vereins-Und-West Bank, Hamburg
- (viii) Bank fur Gemeins—Wirtschaft (Bfg)
- (ix) Berliner Bank, Aktiengesellschaft, A.G., Berlin.

The importers (both in the public sector and private sectors) and their bankers should specifically indicate the Bank selected by them out of the nine mentioned in para 3(iii) above.

3. (iv) Failure to make the request for issue of Letter of Authority within a fortnight (a) from the date of placement of firm orders in the case of orders against an import licence whose value is the rupee equivalent of DM 2 million or less or (b) from the date of communication of approval of contract by the Ministry of Finance Department of Economic Affairs in the case of contracts against an import licence whose licence value exceeds the rupee equivalent of DM 2 million as the case may be, deemed to be a violation of the Import Control Regulations.

3. (v) Bank Guarantee-amount for which it should be executed.

The Bank Guarantee, where necessary, should be for an amount representing the rupee equivalent of the amount in foreign exchange for which the Letter of Authority is sought plus 1 per cent of that amount towards incidental and commitment charges and in addition interest and other charges as mentioned in Annexure-V. The prevailing rate of conversion shall be at the exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) under Section 15 of Customs Act 1962 on the date of issue of Import Licence. This rate is meant only for purpose of arriving at the value of bank guarantee to be furnished by the importer. For purposes of making rupee deposits into Government account towards the foreign exchange cost of imports made under the licence the rupee equivalent will have to be worked out at the composite rate for the DM amount spent by the designated commercial banks in West Germany in arranging payments to the foreign suppliers i.e either in DM of the foreign supplier is situated in West Germany (including Land Berlin) or the DM amount for effecting payment in the currency of any other country in which the foreign supplier is located in terms of the public notice No. 15-ITC(PN) 172 dated 28-1-1972 and Public Notice No. 108-ITC(PN) 72 dated 21-7-1972 and 8-ITC(PN) 176 dated 17-1-1976 as amended from time to time. Any change in this regard will be notified as and when necessary.

3. (vi) Issue of Letter of Authority.

If the documents specified in para 3(i) above are found to be in order, the Ministry of Finance (Controller of Aid Accounts & Audit), Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi will issue a letter of authority to the designated commercial bank in West Germany (as in Annexure-IV) authorising payment upto the specified amount to the foreign suppliers on the basis of a "Special" letter of credit to be opened by the importer's bank in India on the nominated commercial bank in West Germany. A copy of such authorisation will be sent to Indian Licensee. The original Letter of Authority along with a copy thereof will be sent to the concerned Indian Bank authorised to open the Letter of Credit, asking it to submit the original letter of Authority to the designated commercial bank in West Germany along with Letter of Credit opened by it. (Such a direction will be as in Annexure-V). A copy of this communication will also be addressed to the importer.

No Bank in India should provide facilities to the licensee for establishing a Letter of Credit unless a Letter of Authority as explained in this para has been received by such a Bank directly from the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

3. (vii) The "Special" Letter of Credit on the designated commercial Bank in West Germany should be opened within thirty days from the date of the issue of Letter of Authority under intimation to the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi. Otherwise the

Letter of Authority already issued will be deemed to be no longer valid.

3. (vii) The payments to the foreign suppliers will be made by the designated Commercial Bank in West Germany on collection of requisite documents and statements. Even where the foreign supplier is situated in a country other than the Federal Republic of Germany (including Land Berlin) the negotiation and payment of documents would be done by the designated commercial bank in West Germany. The designated commercial bank in West Germany will obtain reimbursement of the DM amounts from the West German authorities. In the case of supplies by countries other than the Federal Republic of Germany, the designated commercial bank in West Germany will obtain reimbursement from the West German authorities of the amounts in DM spent by it to make the payments to the overseas suppliers in the currency of the country in which they are located.

3. (ix) Incidental Bank charges incurred by the Bank for payment in the Federal Republic of Germany as well as for arranging the payment in third country wherever applicable will be remitted by the concerned bank in India to the designated commercial bank in West Germany through the normal banking channel without affecting the Government of India's account.

Section IV—Responsibility for Rupee Deposits into Government Account.

4. (i) The original shipping documents should invariably be forwarded by the designated commercial Bank of West Germany both in the case of imports from West Germany including Land Berlin and other countries, to the concerned bank in India who should, within 10 days of the receipt of the documents, release these negotiable set of documents of the licensee but only after ensuring that the rupee equivalent of DM amount paid to the German supplier or the DM amount spent in arranging the payment to the supplier in third country by the designated commercial bank in West Germany plus 1 per cent thereof towards incidental and commitment charges together with interest charges on the above aggregate amount for the period from the date of payment to the foreign supplier or the date of reimbursement by KfW to the designated bank whichever is earlier to the date of deposit of the rupee equivalent into Government account (both days inclusive) is recovered from the importer and deposited into Government account. In terms of Public Notice No. 31-ITC (PN) 83 dated 10-8-1983 the interest charges are to be calculated as under in respect of deposits made into the Government Account on or after 1st September, 1983.

(i) Where deposits are made within 30 days after, from the date of payment to the 12 per cent per annum supplier or the date of reimbursement is earlier by KfW to the designated Bank whichever is earlier.

(ii) Where rupee deposits are made more than 30 days after the date of payment to the supplier or the

date of reimbursement by KfW to the designated Bank whichever is earlier.

- (a) for the first 30 days 12 per cent per annum.
- (b) for period in excess of 30 days 18 per cent per annum.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the foreign currency payments made to the foreign supplier will be the composite rate of exchange of laid down in CCT&E's public Notice No. 8-ITC(PN) 76 dated 17-1-1976 or as may be notified by the Government from time to time through public notices of the CCT&E or through the Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before the original shipping documents are handed over to the importers. The licensee should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers.

4. (ii) The deposits envisaged in para 4 (i) above may be made in cash either at the Reserve Bank of India New Delhi or the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi, or if this is not feasible, the amounts may be remitted by means of a demand draft drawn on and in favour of the Agent, State Bank of India, Tis Hazari, Delhi-6 for credit to Government account as contemplated in Public Notice No. 233-ITC (PN) 68 dated the 24th October, 1968 as amended vide Public Notice No. 74-ITC(PN) 74 dated 31st May, 1974 and Public Notice No. 132-ITC (PN) 71 dated the 5th October, 1971. The Head of Account to be credited is "K-Deposits and advances-Deposits not bearing interest-843-Civil Deposits—Deposits for purchases etc. abroad-3 Direct Payment Procedure Deposits for cost of supplies and equipment obtained under the West German Capital Goods Credit XV for 1983-84 (DM 25 million Credit)".

4. (iii) Remittance will be made in the Challan form prescribed in Public Notice No. 74-ITC(PN) 74 dated the 31st May, 1974.

4. (iv) One copy of the Challan from the Reserve Bank of India, New Delhi or the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi-6 or intimation regarding the submission of Demand Draft to the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi-6 should be sent by the Indian Bank, which had issued the guarantee, to the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building Parliament Street, New Delhi 110001 alongwith a forwarding letter, giving full details of the Advice Notes received from the concerned nominated German bank.

4. (v) It will be obligatory for the importers to make the requisite rupee deposits through authorised dealers only and also to get the exchange control copy of the licence endorsed by them, as required in Public Notice No. 184-ITC (PN) 68, dated the 30th August, 1968. They should also fill in the requisite "S" forms as prescribed by the Reserve Bank of India.

4. (vi) After the imports under a licence are completed and the importers/banks have deposited into Government account all the amounts due, details of the imports received and of rupee deposits made should be furnished to the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, New Delhi-1 in the proforma prescribed as Annexure-VI to enable the Ministry of Finance to verify and arrange for release of the bank guarantee furnished by the importers, wherever necessary.

Section V—Alteration in the contract

Any material alteration in the contracts pertaining to the list of goods, terms or schedule of payments, value of goods, etc. will require the prior approval of the Ministry of Finance and the KfW authorities, whether it results in earlier payments, or in postponement of payments.

Such alteration (s) should be promptly intimated by the importer to the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, New Delhi (EEC-I Section, North Block) for securing the approval of the Government of India/KfW in the same manner as explained in para 2(v) above.

Section VI—Reporting

A quarterly report commencing from the date of issue of the licence should be furnished in duplicate as in Annexure-VII to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (EEC-I Section Room No. 69, North Block), New Delhi showing progress of ordering delivery of goods, payments to foreign suppliers, etc. and should be continued till all shipments and payments under the contract have been completed. In the case of allocation exceeding the rupee equivalent of DM 2 million [at the exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs)], the licensee should, in addition to the above mentioned quarterly reports, submit a half-yearly report as on 30th June and 31st December each year in the prescribed proforma at Annexure-VIII (duplicate) on special event, if any, on the progress of the project and on adherence to the time-schedule for completion of project alongwith annual Report (2 copies) of the Indian importing company for at least three years until completion of the project.

Section VII—Miscellaneous Provisions

7. (i) The licensee should apprise the supplier of any special revisions in the import licence which may affect the Suppliers in carrying out the transactions.

7. (ii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes if any that may arise between the Indian importers and the foreign supplier.

7. (iii) Compliance with Instructions

The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence for meeting all obligations under the DM 25

million Capital Goods Agreement with KfW authorities.

7. (iv) Breach or Violations

Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

7. (v) List of Annexures

Annexure-I Project data Form

Annexure-II Form of Request for issue of Letter of Authority.

Annexure-III Form of Bank Guarantee

Annexure-IV Form of performance Guarantee

Annexure-V Form of Letter of Authority

Annexure-VI Letter of Instructions forwarding the Letter of Authority

Annexure VII Form of report of rupee depisite-cum-application for release of Bank Guarantee.

Annexure-VIII Form submitting quarterly report.

Annexure-IX Form of Half-yearly Progress Report (applicable to cases exceeding rupee equivalent of DM 2 million).

ANNEXURE I

PROJECT DATA FORM

KREDITANSTALT FUR WIEDERAUFBAU

6, Frankfurt/Main, Federal Republic of Germany
Palmengartenstrasse 5-9.

Application for Foreign Exchange from German Capital Goods Loan

PROJECT DATA

(1) Application (Firm)

- (a) Registered Office (address including State)
- (b) Public Sector or private sector undertaking.
- (c) Business Line/Branch of Industry.
- (d) Partners of Company.
- (e) Foreign Collaboration Agreement.

(2) Type of Capital Goods to be financed.

(3) Choice of capital goods based on—please indicate the procurement procedure followed. Since the Capital Goods loan is available for purchases from any country, an indication should be given whether tender enquiries were made/floated in various countries and the basis on which the selection of a particular supplier has been made.

(4) Suppliers (name and address).

(5) Short description of the whole project (for which such capital goods are required).

- (6) Local and foreign exchange cost of the whole Project, with following break-down of figures
 — Land and building.
 — Machinery and equipment.
 — Operating Funds.
 — Miscellaneous.

(7) Local and foreign financial sources for the whole project (Quantitative statement concerning means of financing. It should be confirmed that Rupee-financing is secured and that foreign exchange requirements not covered by this application are met).

(8) Letter of Intent for Industrial Licence received.

(9) Annual reports with balance sheets and profit and loss accounts for the last two years. If available forecast of cash-flow and profitability.

(10) Capacity

- (a) Average utilization of existing capacity during the last two years.
 (b) In case of under-utilisation, please give main reasons.

(11) Sales (last two years).

(12) Market position of the products to be manufactured (if possible figures showing past and expected development).

(13) Employment

- (a) Present number of employees.
 (b) Additional employment after completion of project.

(14) Source of raw material supplies.

(15) Time-table for the execution of the project.

ANNEXURE II

REQUEST FOR ISSUE OF LETTER OF AUTHORITY

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
 Department of Economic Affairs,
 UCO Bank Building,
 Parliament Street, New Delhi-110001.

Subject: Import of from
 under West German Capital Goods Credit
 for 1983-84 (DM 25 Million Credit).

Sir,

In connection with the import of from under the above mentioned West German Capital Goods Credit, we furnish the following particulars to enable you to issue the authority for opening the letter of credit through on the Bayerische Vereinsbank, Munich, or Commerzbank A.G. Frankfurt or Deutsche Bank, A.G. Hamburg or the Desdner Bank, A.G. Gallusstrasse 7-8, 6, Frankfurt/Main-I or the Frankfurter Bank,

Frankfurt|AM Main or State Bank of India, Frankfurt or Vereins-Und West Bank, Hamburg or Bank für Gemeins-Wirtschaft (Bfg) or Berliner Bank, Aktiengesellschaft, A.G., Berlin.

- (a) Name and Address of the Importer.
 (i) Whether a public or private sector undertaking.
 (ii) Category of industry to which it belongs.
 (iii) The State in which it is located.
 (b) Number, date and value of licence (photostat copy of the licence should be attached).
 (c) Value in foreign currency and date of the order placed and accepted by the suppliers, indicating payment terms viz., (c.i.f. or C&F) (In no case, Letter of Authority should be applied for f.o.b. value only).
 (d) A certificate in duplicate that firm orders (with suppliers order confirmation) have been placed within a period of 4 months from the date of import licence. If orders have been placed after the stipulated period of 4 months, a copy of CCI&E's letter|Ministry of Finance's letter authorising extension of time for placing firm orders as the case may be, should be attached.
 (e) A certificate in triplicate that firm orders have been placed after obtaining comparable bids from overseas suppliers and that the lowest technically suitable offer has been accepted. In case it is not possible to obtain comparable bids, e.g. proprietary item, full justification therefore should be furnished.
 (f) Short description of the goods to be imported.
 (g) Net foreign currency amount payable to Suppliers (to be expressed in the currency of the country in which suppliers is located) for which letter of authority is required (excluding Agency Commission).
 (h) Amount of agency commission in foreign currency and name and address of Indian Agent.
 (i) In case the supplier happens to be located in a country other than West Germany, the name of the suppliers bank to whom the amount is to be remitted by the designated Commercial Bank in West Germany should be indicated.
 (j) Expected date of completion of delivery.
 (k) A schedule showing probable dates on which payments under the contract will fall due.
 (l) In the case of import licence upto a value which is equivalent to DM 1 Million, a certificate that all the contracts against the import licence have been placed and that no further contract will be placed.

The Letter of Credit will be opened through.

(Name and address of the Indian scheduled bank, authorised) to deal in foreign exchange.....

and the Bank Guarantee No. dated for Rs. furnished by the above mentioned bank and which has been fully adjudicated by the Collector of Stamps, in accordance with Section 31 of the Stamps Act, 1899 is attached.

Yours faithfully,
(Licensee)

Copy forwarded to Bank for Information.

ANNEXURE III GUARANTEE BOND

President of India,

In consideration of the President of India (hereinafter called the Government) having agreed to arrange for payment in (mention the appropriate amount in foreign currency) for the import of..... by.....(hereinafter called the 'Importer') against the licence No. dated..... issued under the terms and conditions of West German Capital Goods Credit for 1983-84 and in pursuance of import in favour of the importer against the above mentioned agreement, weBank, at the request of the importer hereby undertake to arrange, to deposit the amount of the disbursement made by the..... nominated by the importer

(Name of the Commercial Bank in West Germany) converted at the prevailing rate of exchange calculated as per instructions issued by the Government in the matter from time to time plus 1 per cent thereon within 10 days of the receipt of advice of payments, for credit to the Government account in the manner and against the appropriate Heads of Account as indicated by Government of India under the said credit together with interest thereon at the rates of 12 per cent per annum for the first 30 days and at 18 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment to the foreign supplier or the date of reimbursement by KfW to the designated bank whichever is earlier to the date of deposit of rupee equivalent for credit into the Government account. The negotiable set of import documents received from the designated commercial Bank in West Germany will be released to the importer after the rupee deposits contemplated above have been made.

2. We, theBank also undertake to indemnify and keep indemnified the Government against any default in payment by the Importer of any sum that may be due and payable from time to time by the Importer to the Government at such place and in such manner as the Government may from time to time direct, such sums not exceeding Rs. or any part thereof, for the time being due and payable by the importer, together with interest thereupon at the rate of 12 per cent per annum for the first 30 days and at 18 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment to the foreign supplier or the date of reimbursement by KfW to the designated bank whichever is earlier. The decision of the Government as to any default in the said payment by the importer, or on his part and in regard to the amount payable to the Government by us.....Bank shall be final and binding on us.....Bank.

3. WeBank further agree that in case of increase in the value of imports or

decrease in the value of unfulfilled deliveries under the contract as a result of change in the composite rate of exchange, the amount of this guarantee bond will be adjusted as on the date when the change takes place, in proportion to this change.

4. We.....Bank further agree that the guarantee herein contained shall remain in full force and effect during the period that would be taken for the performance of the said Agreement/contract and that it shall continue to be enforceable till all the dues to the Government under, or by virtue of this guarantee have been fully paid and its claim satisfied or discharged.

5. The guarantee herein contained shall not be effected by any change in the constitution of the importer or theBank and the Government shall have the fullest liberty without affecting the guarantee to postpone for any time and from time to time any of the power exercisable by it against the importer and theBank shall not be released from its liability under this guarantee by any exercise of the Government of the liberty with reference to the matters aforesaid or by reasons of time being given to the Importer or any other forbearance, act or commission on the part of the Government or any indulgence by the Government to the importer or by any other matter or things, whatsoever which under the law relating to sureties shall, but for this provision, have the effect of so releasing theBank from its such liability.

6. We.....Bank lastly undertake not to revoke this guarantee during its currency, except with previous consent of the Government in writing.

7. Our liability under this guarantee is restricted to Rs.(plus interest and other charges not expected to exceed 1 per cent of the guarantee amount) and it will remain in force till theday of* (month) 19 . Unless claims under the guarantee are made in writing within 1½ years of this date and unless a suit or action to enforce these claims is commenced within another 1½ years thereafter, i.e., upto . . . all Government rights under this guarantee shall be forfeited and we shall be relieved and discharged from all liability thereunder.

Date the day of.....
for theBank

Accepted for and on behalf of
the President of India, by Shri.....
(Name and designation).
Signature

Signature

*8. This date shall be arrived at by adding one month to the date upto which the Letter of Authority is required to be kept valid Notes:—

(1) The value of the stamped paper in which this guarantee is to be executed is to be adjudicated by the Collector of Stamps under Section 31 of the Indian Stamps Act.

(2) The value of the Bank Guarantee vide papers 2 and 7 above shall be arrived at after adding 1 per cent to the net C&F or CIF value of the contract converted into rupees at the Customs exchange rate prevailing on the date of issue of the Import Licence.

ANNEXURE IV

(Performance Bond)

Address of the beneficiary.

In consideration of your having contracted on.....with Messrs.....(hereinafter called the Contractor) for.....(Project) at a contract price of.....being a condition of the contract that a performance bond of.....% of the contract price be established,

we, the undersigned Bank, waiving all objections and defences under the aforesaid contract, hereby irrevocably and independently guarantee to pay to you without delay upon your first written demand any amount claimed by you up to the extent of.....

(in words.....)

against your written declaration that the Contractor has refused or failed to perform the aforementioned contract.

In case of any claim under this guarantee, payment will be effected to Kreditanstalt fur Wiederaufbau, Frankfurt/Main (account number 50 409 100 with Deutsche Bundesbank, Frankfurt/Main) in favour of.....This guarantee shall expire on the.....(Date) by which date we must have received any claim by registered letter or by cable.

It is understood that you will return this guarantee to us on expiry of settlement of the total amount to be claimed hereunder.

Date

Ba

ANNEXURE V

Letter of Authority No.....

No.

Government of India

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the...., 198..

(Name and address of the designated Bank)

Federal Republic of Germany

Subject:- Payment to Foreign Suppliers under Direct Payment Procedure—DM 25 Million Capital Goods Credit dated 12-9-83 from the Federal Republic of Germany (AL-8265852) Import Licence No.....dated.....

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the above procedure, we hereby authorise you to spend such an amount in DM as may be found necessary to pay.....

to Messrs.....

under the letter of credit to be opened by.....

for covering the import of.....

against contract entered into by Messrs.....

2. Since the amount is to be financed under DM 25 Million West German Capital Goods Credit, you may negotiate the documents upon presentation and simultaneously obtain reimbursement from Kreditanstalt fur Wiederaufbau, Frankfurt and pay the supplier. In case KfW is not reimbursing the amount for one reason or the other, you may approach this Department immediately for necessary reimbursement.

3. After each payment, the shipping and other documents (negotiable) may be forwarded direct to
....., and a payment advice alongwith one set of documents (non-negotiable) sent to us for information.

4. Your banking charges under the above letter of Credit will be settled directly with you by the
by remittance from India.

5. The authority will remain valid upto

Yours faithfully,

(ACCOUNTS OFFICER)

ANNEXURE V

Letter of Authority No.....

No.

Government of India

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the....., 198

(Name and address of the designated bank)

Federal Republic of Germany.

Subject :—Payment to Foreign Suppliers under Direct Payment Procedure—DM 25 Million Capital Goods Credit dated 12-9-83
from the Federal Republic of Germany (AL—8265832) Import Licence No.....
dated

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the above procedure, we here by authorise you to spend such an amount in DM as may be found necessary to pay.....

to Messrs

under the letter of credit to be opened by

for covering the import of.....
against contract entered into by Messrs.....

2. Since the amount is to be financed under DM 25 Million West German Capital Goods Credit, you may negotiate the documents upon presentation and simultaneously obtain reimbursement from Kreditanstalt fur Wiederaufbau, Frankfurt and pay the supplier. In case KfW is not reimbursing the amount for one reason or the other, you may approach this Department immediately for necessary reimbursement.

3. After each payment, the shipping and other documents (negotiable) may be forwarded direct to
....., and a payment advice alongwith one set of documents (non-negotiable) sent to us for information.

4. Your banking charges under the above letter of Credit will be settled directly with you by the
by remittance from India.

5. The authority will remain valid upto

Yours faithfully,

(ACCOUNTS OFFICER)

Copy to :

1. One to the Indian Bank.

2. The Importer.

3. KfW, Frankfurt in continuation of this Ministry's letter No.....dt.....
They are requested to arrange for expeditious reimbursement immediately on request from.....Bank.

ANNEXURE VI

Subject : Import under West German DM 25 Million Capital Goods Credit for 1983-84—Issue of Letters of Authority for opening Letter of Credit. Import Licence No.....Dated

Dear Sirs,

With reference to letter No. dated the from the in which they have requested permission for opening a letter of credit through your bank under the West German DM 25 million Capital Goods Credit for 1983-84, I am to enclose the Department of Economic Affairs' Letter of Authority No. dated the (with a spare copy)

authorising them to arrange payment upto to the foreign supplier. The Letter of Authority should be sent by you to the along with the letter of credit opened by you.

2. You are hereby authorised to open the Letter of Credit for an amount not exceeding within a period of thirty days from the date of this letter, under intimation to this Department. In terms of para 10, Section VII of the Exchange Control Manual, you are required to ensure that the date of expiry of the Letter of Credit is not later than 45 days after the final date for shipments stated in the relative import licence or the date indicated in the Letter of Authority, whichever is earlier. Before opening the Letter of Credit, it may please be ensured that the importer is in possession of a valid import licence.

3. The Bank may be asked to negotiate the documents upon presentation and simultaneously obtain reimbursement from KfW and pay the supplier.

4. You are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the amounts in Deutsche Mark spent by

(name of the designated commercial Bank in West Germany) to effect payments in DM to the suppliers in the Federal Republic of Germany including Land Berlin or in other foreign currency to the foreign supplier in other countries plus 1 per cent towards incidental and Commitment charges in terms of the Guarantee furnished by you, within 10 days of the receipt of the documents from the The rupee equivalent of the amount disbursed to the foreign suppliers will have to be calculated by applying the prevailing rate of conversion as instructed in Public Notice No. 15-ITC(PN)|72, dated 28-1-1972 and Public Notice No. 108-ITC(PN)|72 dated 21-7-1972 and 8-ITC(PN)|76, dated 17-1-76 until further notice. This rate is subject to revision, if and when the IMF parity rate of exchange undergoes change. Interest at the rate of 12 per annum for the first 30 days and at 18 per cent annum for the period in excess thereof as mentioned in the Public Notice No. 31-ITC(PN)|83, dated 10-8-83 reckoned from the date of payment to the suppliers or the date of reimbursement by KfW to the designated Bank which is earlier, and the date on which the rupee equivalent are deposited (both days inclusive) is also required to be deposited into Government account. It will be your responsibility to arrange for the deposit of these amounts, before the shipping documents are handed over to the importers.

5. These amounts should be deposited in cash either with the Reserve Bank of India, New Delhi or the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi or remitted by means of a demand draft obtained by you from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries (Drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (Drawee and Payee). In this connection, your attention is also invited to the provisions of the Public Notice No. 233-ITC(PN)|68 dated the 24th October, 1968 as amended by Public Notice No. 74-ITC(PN)|74 dated 31-5-74 and No. 132-ITC(PN)|71 dated the 5th October, 1971. The head of account to be credited is : "K—Deposits and Advances—B—Deposits not bearing interest—843—Civil Deposit—Deposits for Purchases etc. abroad under Direct Payment procedure Deposits for cost of supplies and equipment obtained under the West German Capital Goods Credit XV for 1983-84 DM 25 Million Credit".

6. One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the Reserve Bank of India, New Delhi or the State Bank of India, Delhi should be sent by you to the address given below, alongwith a forwarding letter giving full details of the Advice Notes received from the nominating German Bank :

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice, dated the 24th October, 1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the Address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

7. A payment clause to the effect that the insurance claim, if any, received from the foreign Insurance Company and/or claims, if any, arising out of Bank Guarantee relative to performance guarantee should be remitted by the Insurance Company and/or the Bank giving the guarantee in DM direct to KfW (Account No. 504:09100 with Deutsche Bundesbank, Frankfurt/Main) under advice to the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi, may be inserted in the Letter of Credit to be opened by you.

8. The Letter of Credit may be opened in the foreign currency under which the Letter of Authority is issued.

9. Indian Agent's commission, if any, is to be paid in rupees in India.

10. The receipt of this letter may please be acknowledged.

Yours faithfully,
ACCOUNTS OFFICER.

Copy forwarded to M/s..... with a copy of the Letter of Authority No. for information, with reference to their letter quoted above.

ACCOUNTS OFFICER.

ANNEXURE VII

PROFORMA

1. Name and full address of the importer/licensee on whose behalf the Bank Guarantee was furnished :
2. The import licence number and date and value :
3. Number, date and amount of the guarantee furnished :
4. Particulars of the Letter of Authority for opening Letter of Credit obtained from the Ministry of Finance :
 - (a) Number and date of the Letter of Authority. :
 - (b) Amount of the Letter of Authority (in foreign currency) :
5. Particulars of Imports effected and rupee deposits made :
 - (a) Name of suppliers :
 - (b) Amount (in foreign currency) actually paid to the supplier (including at (1) above) :
 - (c) Date of payment to the supplier by the nominated Bank in West Germany :
 - (d) Amount of rupee deposits :
 - (i) Rupee equivalent of foreign currency amount paid to the supplier @ 1 unit of foreign exchange = Rs.
 - (ii) Interest paid :
 - (iii) Period for which the interest has been calculated from :
 - (iv) Total Deposit made :
 - (v) Date and place of deposit :
 - (vi) Number and date of the Treasury Challan (to be enclosed). If the Treasury Challan has already been sent, reference to the letter number and date with which it was sent may be quoted :
 - (vii) If the rupee deposit mentioned in (d) (iv) above was made by means of Demand Draft, the number, date and amount of the draft and particulars of your letter with which it was sent to the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi to be indicated :
6. Amount utilised and balance unutilised (in foreign currency) against each Letter of Authority :
7. A certificate that the balance indicated in 6 above, has not been utilised and no shipment has been made thereof, and the same may be treated as lapsed :

(Authorised Signatures)

ANNEXURE-VIII

PROFORMA

Name of Company	Private Sector/ Public Sector	Category of Industry	Address of Company	Amount of Allocation (Rs.)	No, date and value of I.L. (Rs.)	Value of contract (foreign currency)	Value of L.C.	Amount paid against the LC (foreign currency)
1	2	3	4	5	6	7	8	9

Note : In respect of allocation exceeding the rupee equivalent of DM 1 Million at the rate of exchange notified by the Department of Revenue (Customs), the licensee will be required to submit in addition half yearly report as in Annexure VIII on special event, if any, on the progress of the project and on adherence to the time-schedule for completion of project alongwith Annual Report (2 copies) for at least three years until completion of the project.

ANNEXURE IX

Proforma for submission of half-year reports on progress of projects financed under West German Capital Goods Credit—
30th June/31st December

1. Name of Company and address (address of Head Office and also address of factory) :
2. State in which it is located (if the factory is located in State other than the State in which the Head Office is located, it should be clearly indicated) :
3. Whether a public sector or private sector undertaking :
4. Branch of Industry to which it belongs :
5. Value of allocation under the credit approved by the Government of India :
6. Brief Description of the project including description of the Capital Goods items of manufacture :
7. No., date and value of the import licence :
8. Value of supply contract(s) under the licence in DM :
9. Amount paid to the Suppliers as on in D.M. :
10. If there is a balance in the import licence, whether it is likely to be utilised. If so, how much and how soon it is going to be utilised by further contracting :
11. Keeping of time schedule comparison of schedule with actual dates, reasons for changing the time schedule :
12. If not, revised time-table with detailed reasons therefor :
13. Progress of the Project—
 - (i) Supply of the goods (terms of delivery)
 - (ii) Erection (kind and quality)
 - (iii) Commissioning (final acceptance, trial runs results of operation),
14. Date of completion of the Project :
15. Economic implication of the project :
16. Realisation of the Cost and Finance Plan comparison of plan with actual values :
17. Any special events connected with the implementation of the project :
18. Latest annual report of the Project Sponsor (2 copies) :

N.B. : Strike out the portions not applicable.